दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 10

ग्वालियर, बुधवार 05 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

कानपुर में बड़ा हादसा, गंगा में 6 डूबे एक का शव मिला, गोताखोर डूबे लोगों को खोजने में जुटे

कानपुर। कानपुर में बिल्हौर के आसींद गांव की कोठी घाट पर गंगा नहाने के दौरान छह लोग डूब गए। डूबने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। एक युवक को गोताखोरों ने निकाल लिया और आनन-फानन उसे बिल्हौर सीएचसी ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शेष लोगों की तलाश में ग्रामीणों के साथ गोताखोरों की टीम जुटी है। घटना को लेकर घाट पर कोहराम मच गया। बिल्हौर पुलिस समेत आस-पास के थाना क्षेत्रों की पुलिस मदद के लिए पहुंच गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार सुबह तीन युवक, दो बच्चे और एक युवती के साथ कोठी घाट पर गंगा नहा रहे थे। नहाते समय बच्चे और युवती गहरे पानी में डूबने लगे तभी युवकों ने उन्हें

बचाने के लिए गंगा में छलांग लगा दी। घाट के किनारे खड़े लोग कुछ समझ पाते कि सभी गंगा में डूब गए, इससे घाट पर हड़कंप मच गया। गांव वाले और गोताखोरों ने पुलिस को सूचना दी और उन्हें बचाने के लिए गंगा में कूद गए। गोताखोरों ने 20 वर्षीय सौरभ कटियार को बीच धारा से खींचकर निकाला। गांव वाले उसे सीएचसी बिल्हौर लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि विनय कुमार पटेल की 15 साल की बेटी अनुष्का, 13 साल की अंशिका पटेल, 20 साल के अभय कटियार, 18 साल के तनु कटियार और मनु की तलाश जारी है। सभी लोग बरांडा गांव में संदीप कटियार की कपड़े की दुकान के उद्घाटन में आए हुए थे। सभी बच्चे बरांडा गांव के संदीप कटियार की कपड़े की नई दुकान के उद्घाटन में आए थे। सभी घरवालों के बिना बताए गंगा किनारे पिकनिक मनाने चले गए थे। चार गोताखोरों की टीम गंगा में उतारी गई है। अब तक एक युवक को निकाल लिया गया, लेकिन सीएचसी पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। एसपी कानपुर आउटर तेजस्वरूप सिंह ने सोमवार को थाना प्रभारियों को मंगलवार को होने वाले गंगा स्नान पर विशेष सुरक्षा और एहतियात बरतने के निर्देश दिए थे। इंस्पेक्टर अतुल कुमार सिंह ने अरौल चौकी प्रभारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी समेत सभी एसआई को स्नान व दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान गंगा तटों पर तैनात रहने के निर्देश दिए थे, लेकिन कोठी घाट पर हादसे के दौरान न कोई सुरक्षा व्यवस्था थी और न ही घाट पर पुलिस तैनात थी।

संजय राउत को आज भी नहीं मिली राहत, 10 अक्टूबर तक जेल में रहो

मुंबई। मुंबई के पात्रा चॉल घोटाला केस में फंसे शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत को मंगलवार को भी राहत नहीं मिली है। मुंबई की विशेष अदालत ने मंगलवार को शिवसेना सांसद राउत की न्यायिक

हिरासत 10 अक्टूबर तक के लिए बढ़ाया दिया। अब 10 अक्टूबर को ही राउत की जमानत अर्जी पर सुनवाई होगी। दरअसल, ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने गोरेगांव इलाके में पात्रा चॉल के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में राउत को 1 अगस्त को गिरफ्तार किया था। बता दें कि 60 वर्षीय राज्यसभा सांसद राउत तभी से जेल में हैं। इतना ही नहीं, ईडी ने पिछले महीने पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें राउत को मामले में आरोपी बनाया गया था। कोर्ट ने पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लिया, जिसमें उनका नाम धनशोधन के मामले में आरोपी के रूप में लिया गया है। राउत ने जमानत के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत का रुख किया था। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लेकर शिवसेना सांसद के सहयोगी प्रवीण राउत सहित मामले के सभी आरोपियों को समन जारी किया था। शिवसेना नेता की जमानत पर सुनवाई 21 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई थी, क्योंकि उनके वकील ने कहा था कि वह आरोपपत्र का अध्ययन करना चाहते हैं और उनकी याचिका में अतिरिक्त आधार जोड़ने का फैसला करना चाहते हैं।

खास खबर

दुर्गा पूजा में शामिल हुए न्यूयार्क के मेयर एडम्स, उत्सव के संदेश 'बुराई पर अच्छाई की जीत' को सराहा

न्यूयॉर्क। भारत समेत दुनिया भर के तमाम देशों में दुर्गा पूजा धूमधाम से आयोजन किया गया। अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के साथ देश के राजनेताओं ने भी दुर्गा पूजा में जोर शोर से भाग लिया। न्यूयॉर्क में भारतीय समाज की ओर से आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शहर के मेयर एरिक एडम्स भी शामिल हुए। मेयर ने इस उत्सव के संदेश 'बुराई पर अच्छाई की जीत' पर जोर देते हुए कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में सबको इसकी तारीफ करनी चाहिए।

वायुसेना में महिला अग्निवीरों को अगले साल से शामिल किया जाएगा

नई दिल्ली। चीन से लगी सीमा से लेकर भारतीय वायुसेना में महिला अग्निवीरों की भर्ती को लेकर एयरफोर्स चीफ ने बड़ा बयान दिया है। वायुसेना प्रमुख विवेक राम चौधरी ने कहा कि वायुसेना में महिला अग्निवीरों को अगले साल से शामिल करने की योजना है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत 'एयर वॉरियर की भर्तियों को सुव्यवस्थित कर दिया गया है।

कठिन परिश्रम, समर्पण और समाजसेवा को लेकर दुनियाभर में जाने जाते हैं गुजराती : मुर्मू

राष्ट्रपति ने कहा सभी भारतीय ख्याते हैं गुजरात में पैदा होने वाला नमक

नई दिल्ली। दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश में 76 फीसद नमक का उत्पादन गुजरात राज्य करता है और यह कहा जा सकता है कि राज्य द्वारा उत्पादित नमक सभी भारतीयों द्वारा खाया जाता है। जुलाई में राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद गुजरात की पहली यात्रा पर पहुंचीं मुर्मू यहां राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में गुजरात के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि राज्य के लोग अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और समाज सेवा को लेकर दुनियाभर में जाने जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा भारत दुग्ध उत्पादन एवं उपभोग की दृष्टि से पहले नंबर पर है।

भारतीय त्योहारों से पीएम मोदी का खासा लगाव, कुल्लू दशहरा उत्सव में शामिल होने आ रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अक्टूबर को कुल्लू दौरा पर जा रहे हैं। प्रदेश के लिए यह बेहद ही ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण के

रूप में देखा जा रहा है। हिमाचल के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि कोई प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की ऐतिहासिक रथ यात्रा के साक्षी बनेगा। करीब 300 से अधिक देवताओं की इस अनूठी रथ यात्रा का अवलोकन करने वाले है। पीएम मोदी के कुल्लू दौरे को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद है। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में भाग लेने आ रहे प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के चलते प्रदर्शनी मैदान में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चाक चौबंद इंतजाम किए गए हैं।

न्यूज़ ट्रैक....

जॉनसन पर लगा मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना

जोधपुर। इंडिया कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन को भीलवाड़ा किंग्स के यूसुफ पठान से बदसलूकी महंगी पड़ी है। जॉनसन पर मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। जॉनसन लीजेंड्स लीग मैच के दौरान ही पठान से भिड़ गये थे और उन्होंने बहसबाजी के बाद उन्हें धक्का देकर गिरा दिया था। यह घटना इंडिया कैपिटल्स और भीलवाड़ा किंग्स के बीच हुए क्वालीफायर मैच का है। इस दौरान अंपायरों को तक बीच-बचाव करना पड़ा था। इस घटना की पूरी जांच के बाद, लीजेंड्स लीग के कमिश्नर रवि शास्त्री की अध्यक्षता वाली अनुशासन समिति ने जॉनसन को सजा देने के साथ ही आधिकारिक चेतावनी देने भी दी। वहीं लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक और सीईओ रमन रहेजा ने कहा, हम इस लीग के जरिये गंभीर और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए यहां आये। इस प्रकार का जो मामला हुआ है वह नहीं होना चाहिये था क्योंकि ऐसी घटनाओं से खेल की छवि पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में फैसले से पहले हमने कई बार वीडियो को बारीकी से देखा है। हमारी जांच के बाद सभी को पता चल गया है खेल भावना सबसे अहम है और कोई भी उसका उल्लंघन नहीं कर सकता। अब इस लीग में ऐसा कोई मामला नहीं होना चाहिये।

श्रीलंकाई टीम का टी-20 विश्व कप के सुपर-12 में पहुंचना तय : शनाका

सिडनी। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दसुन शनाका का कहना है कि उनकी टीम का सुपर-12 में क्वालीफाई करना तय है। शनाका की कप्तानी में ही टीम ने एशिया कप जीता था। इसमें श्रीलंकाई टीम ने भारत और पाकिस्तान को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। श्रीलंकाई कप्तान ने कहा कि उनकी टीम को विश्व कप में सुपर-12 में जगह बनाने के लिए शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। श्रीलंकाई टीम का विश्व कप में पहला मुकाबला 16 अक्टूबर को नामीबिया के खिलाफ होगा। उससे पहले श्रीलंकाई टीम को अभ्यास मैचों के तौर पर 10 और 13 अक्टूबर को जिम्बाब्वे और आयरलैंड से खेलना होगा। शनाका ने अपने बयान में कहा, 'हमें पिछले टी-20 विश्वकप में भी क्वालीफाइंग दौर से गुजरना पड़ा था। तब हमने ग्रुप स्टेज में अच्छा प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में प्रवेश किया। हमें जमीनी हालातों के अनुकूल होने का लाभ मिला था। हमें ऑस्ट्रेलिया में अभ्यास मैच सहित जो पांच मैच खेलने हैं जिससे हमें लय हासिल हो जाएगी। इससे हमारी टीम को सुपर-12 में लाभ होगा।

पहले दौर में विश्वकप से बाहर हो सकती है पाक : अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर इंग्लैंड के खिलाफ टीम के टी20 सीरीज हारने से बेहद निराश हैं। अब अख्तर को डर है कि कहीं पाकिस्तान टीम आईसीसी टी20 विश्वकप 2022 के पहले ही दौर में ही बाहर न हो जाये। अख्तर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मैंने पहले भी कहा है और फिर कह रहा हूं, मुझे डर है कि यह पाक टीम पहले ही दौर में विश्व कप से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा, टीम का मध्यक्रम अच्छा नहीं है। अगर टीम के सलामी बल्लेबाज विफल रहते हैं तो मध्यक्रम दबाव में ढ़ह जाता है। वहीं अगर आप विश्व कप जीतना चाहते हैं तो यह टूर्नामेंट में जाने का सही तरीका नहीं है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कोच सक़लैन मुश्ताक़ पर भी हमला बोला और कहा, मैंने पहले ही कहा था कि मध्यक्रम को ठीक करो पर किसी ने सुना नहीं।

टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम आगामी इस साल के अंत में नवंबर-दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम अपने इस दौरे में शीर्ष रैंकिंग वाली मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। विश्व रैंकिंग में अभी भारतीय टीम पांचवें स्थान पर बनी हुई है और उसे 26 नवंबर से चार दिसंबर के बीच यह सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का दूसरा, तीसरा और चौथा मैच 27 नवंबर, 30 नवंबर और तीन दिसंबर को होगा। इस साल अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में हुई भड़ंत के बाद यह पहला अवसर है जब दोनो टीमें खेलेंगी।

अगले साल जनवरी में ओडिशा में होने वाले 2023 पुरुष विश्व कप की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इससे भारतीय टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम भी अगले साल मई में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के खिलाफ एक सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के लिए हालांकि अभी तारीखों की घोषणा होनी है। वहीं हॉकी ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड प्राइल्स ने कहा, 'एडिलेड में इन सभी मैचों की मेजबानी की संभावना जताने के साथ ही दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने मेजबानी के लिए बहुत उत्साह और उत्सुकता दिखायी है। ऐसे में हमें इन मैचों को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में लाने की खुशी हो रही है।' उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ समय से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच हॉकी मैदान पर कड़ी टक्कर देखने को मिली है. एडिलेड में भारतीय मूल के लोगों की बड़ी आबादी होने के कारण भी भारत के काफी प्रशंसक रहेंगे।' वहीं हॉकी इंडिया के नये अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा,' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इन मुकाबलों से एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप और एशियाई खेलों को देखते हुए भारतीय पुरुष और महिला टीम दोनों को अपनी तैयारियों के लिए एक अच्छा अवसर मिलेगा।'

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम घोषित किया

भारतीय टीम का पहला मुकाबला 12 फरवरी को पाक से होगा

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले साल होने वाले महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इससें भारतीय महिला क्रिकेट टीम का पहला मुकाबला 12 फरवरी को परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से केपटाउन में होगा। आईसीसी के अनुसार विश्व कप का यह आठवां सत्र 10 से 26 फरवरी तक होगा। इसके मुकाबले केपटाउन के अलावा पार्ल और गक्बेरहा में भी खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट का फाइनल 26 फरवरी को केपटाउन में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में रिजर्व दिन भी रखा गया है। ऐसे में किसी मैच में बाधा आने पर उस दिन का मुकाबला अगले दिन खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और क्वालीफायर आयरलैंड के साथ ग्रुप दो में रखा गया है। वहीं भारतीय टीम का दूसरा मैच भी केपटाउन में ही 15 फरवरी को वेस्टइंडीज से होगा। इसके बाद टीम को इंग्लैंड और आयरलैंड से 18 और 20 फरवरी को गक्बेरहा में खेलना है। वहीं मेजबान दक्षिण अफ्रीका की टीम का पहला मैच केपटाउन में श्रीलंका से होगा।

इसमें मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड, मेजबान दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बांग्लादेश के साथ ग्रुप एक में रखा गया है। ग्रुप चरण में हर टीम चार-चार मैच खेलेगी और दोनों ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। टूर्नामेंट के सभी नॉकआउट मैच केपटाउन में खेले जाएंगे। इसमें भाग लेने वाली दस टीमों में मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका , बांग्लादेश और आयरलैंड भी शामिल हैं। इन बीच कुल 23 मैच खेले जाएंगे।

शेष भारत ने सौराष्ट्र को हराकर ईरानी कप जीता

राजकोट। तेज गेंदबाज कुलदीप सेन की शानदार गेंदबाजी के बाद अभिमन्यु ईश्वरन के नाबाद अर्धशतक की बदौलत शेष भारत ने सौराष्ट्र को आठ विकेट से हराकर ईरानी कप क्रिकेट खिताब जीत लिया है। इस मैच में जीत के लिए मिले 105 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए शेष भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 रनों के अंदर ही दो विकेट खो दिये थे। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए शेष भारत के सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल की जगह उतरे प्रियांक पांचाल को दो रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। उसके बाद उनादकट ने युवा बल्लेबाज यश धुल को भी केवल आठ रनों के अंदर ही आउट कर दिया पर ईश्वरन और भरत ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुचा दिया। ईश्वरन ने नाबाद 65 जबकि भरत ने भी 27 रन बनाये और वह अंत तक आउट नहीं हुए। गेंदबाजी के दौरान कुलदीप ने कुल पांच विकेट लिए। वहीं इससे पहले सौराष्ट्र की टीम अपनी पहली पारी में केवल 98 रन ही बना पायी। जिसके बाद शेष भारत ने अपनी पहली पारी में 374 बनाये थे। इस प्रकार शेष भारत को 276 रनों की विशाल बढ़त मिल गयी। वहीं सौराष्ट्र की टीम की शुरुआत दूसरी पारी में भी खराब रही और उसने 87 रनों पर ही पांच विकेट गंवा दिये लेकिन इसके बाद चौथे दिन शेल्डन जैकसन 71, अर्पित वासवदा 55, प्रेरक मांकड़ 72 और उनादकट 89 के अर्धशतकों की सहायता से अपनी दूसरी पारी में 380 रन बनाने में सफल रही। इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा नाकाम रहे। सौराष्ट्र ने मैच के चौथे दिन सुबह अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 368 रन से आगे बढ़ाई पर 12 रनों के अंदर ही उसके बचे हुए दोनों विकेट गिर गये। कप्तान उनादकट आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज थे। वहीं शेष भारत को पहली पारी के आधार पर जो बढ़त मिली थी उसके कारण उसे जीत के लिए केवल 105 रन चाहिये थे।

आईपीएल से पहले होगी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग। अगले साल 10 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में एसए 20 क्रिकेट लीग शुरु होगी। इस लीग को मिनी आईपीएल भी कहा जा रहा है क्योंकि दक्षिण अफ्रीका में होने वाले इस टी20 लीग की सभी 6 टीमों का मालिकाना अधिकार आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों के पास है। आईपीएल 2023 से पहले यह 20 क्रिकेट लीग खेली जाएगी। इस लीग में जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स की कप्तानी फाफ डुप्लेसी के पास रहेगी। इस प्रतियोगिता के पहले सत्र में कुल 33 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें राउंड रॉबिन के आधार पर एक-दूसरे से दो बार घर और बाहर खेलेगी और इसके बाद सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल मुक़ाबले खेले जाएंगे। इस लीग में ज्यादातर वही खिलाड़ी भाग लेंगे, जो आईपीएल 2023 में भी खेलते दिखे थे। इस प्रकार आईपीएल-2023 से पहले यह किसी लीग मिनी आईपीएल जैसी ही नजर आयेगी।

5 को आस्ट्रेलिया जाएगी टीम इंडिया, वर्ल्ड कप स्क्वैड का हिस्सा हो सकते हैं चेतन व मुकेश

नई दिल्ली। टीम इंडिया को पिछले 15 सालों से टी20 वर्ल्ड कप खिताब का इंतजार कर रहा है। भारत ने एक बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब एमएस धोनी की कप्तानी में जीता था। ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से शुरू हो रहे टूर्नामेंट के 8वें सीजन के लिए भारतीय टीम पूरी तरह तैयार है। रोहित शर्मा के पास टीम की कमान है। हालांकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। दूसरी ओर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। भारतीय टीम अभी साउथ अफ्रीका से टी20 सीरीज खेल रही है। वर्ल्ड कप के लिए टीम 5 अक्टूबर को रवाना होगी। खबर है बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया और मुकेश चौधरी भी टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं। ये बतौर नेट बॉलर टीम की तैयारी में मदद देंगे। पिछले साल वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने खूब परेशान किया था। इस कारण यह निर्णय लिया गया है। आईपीएल के दौरान मुकेश चौधरी धोनी की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स का हिस्सा थे और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन भी किया था। 26 साल के मुकेश चौधरी ने आईपीएल 2022 में 13 मैच खेले हैं। जिनमें उन्होंने 27 की औसत से 16 विकेट झटके थे। 46 रन देकर 4 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा था।

ऋषभ को 25 वे जन्मदिन पर मिली बधाईयां

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मंगलवार 4 अक्टूबर को 25 साल के हो गये। ऋषभ को जन्मदिन पर साथी क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाईयां दी हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 19 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। ऋषभ ने इसके बाद से ही अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह पक्की कर ली है। वह घर के बाहर टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज हैं।

व्यापार न्यूज

सरकार ने मोबाइल के 25 हजार मोबाइल टॉवर लगाने के लिए स्वीकृत किए 26,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मोबाइलों के नेटवर्क क्षमता विस्तार के लिए अगले 500 दिनों में पच्चीस हजार मोबाइल टॉवर लगाने के लिए 26,000 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। दूरसंचार मंत्रालय की तरफ से मंगलवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस परियोजना के लिए वित्तीय समर्थन %सार्वभौम सेवा दायित्व कोष% से किया जाएगा और भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क इसका क्रियान्वयन करेगा। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को संपन्न %राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों के डिजिटल इंडिया सम्मेलन% में इस परियोजना की घोषणा की। आधिकारिक बयान के मुताबिक, फ़दूरसंचार मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल इंडिया के लिए संपर्क सुविधा अहम है और देश के हरेक कोने तक इसकी पहुंच होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगले 500 दिनों में 25,000 नए मोबाइल टॉवर लगाने के लिए 26,000 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी दे दी गई है।फ़ इस सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, दूरसंचार राज्य मंत्री देवूसिंह चौहान और 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों ने भी शिरकत की।

ऑस्ट्रेलियाई केंद्रीय बैंक ने छठी बार ब्याज दर में किया इजाफा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अपनी मानक ब्याज दर में छठे महीने भी इजाफा कर चौंका दिया। यह नौ महीनों के उच्च स्तर 2.6 प्रतिशत पर पहुंच गई। %रिजर्व बैंक ऑफ आस्ट्रेलिया% ने नकदी दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की जो विश्लेषकों की उम्मीदों से कम है। विश्लेषकों ने 0.50 प्रतिशत वृद्धि की संभावना जताई थी। दरअसल ऑस्ट्रेलियाई केंद्रीय बैंक पिछले चार बार से ब्याज दर में 0.5-0.5 प्रतिशत की वृद्धि करता रहा है। उसके पहले मई में केंद्रीय बैंक ने 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की थी जो अगस्त 2013 के बाद की पहली बढ़ोतरी थी। केंद्रीय बैंक के गवर्नर फिलिप लोव ने कहा कि इस बार ब्याज दर में कम वृद्धि करने का यह मतलब है कि नकदी दर सीमित अवधि में खासी बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि आगामी वृद्धि का फैसला मुद्रास्फीति एवं श्रम बाजार के परिदृश्य के आकलन पर निर्भर करेगा।

वैश्विक धमकी को नजरअंदाज कर रूस से जमकर तेल खरीद रहा है भारत

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन जंग के चलते रूस को पश्चिमी देश तेल पाबंदियों की मदद से घेरने की कवायद कर रहे हैं। पश्चिमी देश लगातार रूस से कारोबार नहीं करने का दबाव भी बना रहे हैं। लेकिन दुनिया की धमकी से बेअसर भारत रूस से जमकर तेल खरीद रहा है। भारत रूस से लगातार तेल की खरीद बढ़ा रहा है। बीते दिनों पश्चिम देशों ने कहा था कि भारत और चीन की वजह से ही रूस पर इन प्रतिबंधों का असर नहीं पड़ा है। अमेरिका भारत पर दबाव बनाता रहा है कि वो रूस से तेल की खरीद रोके। लेकिन भारत ने साफ कर दिया था कि उसके लिए भारत के नागरिकों के हित सबसे पहले हैं। ऊर्जा कार्गो ट्रैकर वोर्टेक्स के मुताबिक, भारत में सितंबर माह में रूसी तेल का आयात अगस्त से दो महीने तक गिरने के बाद 18.5 फीसदी तक बढ़ गया है। इसके चलते यह सऊदी अरब के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि सितंबर में 879,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रूसी तेल का आयात जून के 933,000 बीपीडी के बाद भारत के लिए एक महीने में दूसरा सबसे अधिक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इस तिमाही में और ज्यादा रूसी क्रूड आयात करने पर विचार कर सकता है, क्योंकि घरेलू मांग में मौसमी वृद्धि और यूरोप से उच्च निर्यात मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनर तेजी से बढ़ते हैं। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से पहले रूसी तेल में भारत के आयात का लगभग 1 फीसदी शामिल था क्योंकि माल ढुलाई ने इसे अप्रतिस्पर्धी बना दिया था, लेकिन अब यह 21 फीसदी तक चढ़ गया है। रूसी क्रूड के लिए भारतीय रिफाइनर का आकर्षण यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बढ़ गया। इसकी वजह है कि व्यापारियों ने ज्यादा छूट की पेशकश की, जो कि डिलीवरी के आधार पर लगभग 5-6 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। बढ़ते रूसी आयात का मतलब अमेरिका, इराक और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य प्रमुख निर्यातकों के लिए बाजार हिस्सेदारी का नुकसान है। रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में, सऊदी अरब भारत के लिए शीर्ष आपूर्तिकर्ता था जबकि इराक और संयुक्त अरब अमीरात क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर थे। पांचवें सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता अमेरिका के पास अब भारतीय बाजार का लगभग 4 फीसदी हिस्सा है, जो एक साल पहले के 10 फीसदी से कम है।

पेयू के मालिकाना हक वाली प्रॉसस ने भारतीय पेमेंट कंपनी बिलडेस्क के साथ तोड़ी डील

नई दिल्ली। पेयू के मालिकाना हक वाली कंपनी प्रॉसस ने भारतीय पेमेंट कंपनी बिलडेस्क के साथ अपनी डील को तोड़ते हुए कहा है कि कुछ ऐसी शर्तें थीं, जिन्हें पूरा नहीं किया जा सका। यह डील 4.7 बिलियन डॉलर की थी। प्रॉसस ने अपने बयान में कहा इस अधिग्रहण सौदे में होने वाला लेनदेन विभिन्न शर्तों के पालन पर निर्भर करता था, जिसमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी भी शामिल थी। पेयू ने 5 सितंबर, 2022 को सीसीआई की मंजूरी हासिल की,? परतु, कुछ शर्तें 30 सितंबर 2022 तक पूरी नहीं हुई थीं। लंबी स्टॉप डेट और समझौता इसकी शर्तों के अनुसार ऑटोमेटिकली समाप्त हो गया है। 31 अगस्त 2021 को, प्रासस ने घोषणा की थी कि उसकी सहायक कंपनी पेयू पेमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और भारतीय डिजिटल पेमेंट्स प्रोवाइडर बिलडेस्क के शेयरधारकों के बीच एक समझौता हुआ है। इस सौदे को सितंबर में सीसीआई की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन इसे अभी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिलना बाकी है। इस प्रक्रिया में कम से कम 45 दिन लगने थे। 2005 से लेकर अब तक प्रॉसस भारत में लगातार निवेश और काम कर रही है। कंपनी ने इस दौरान भारतीय टेक्नोलॉजी कंपनियों में 6 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। कंपनी ने कहा है कि वह भारतीय बाजार पर अपना ध्यान केंद्रित रखेगी और इस क्षेत्र में अपने वर्तमान बिजनेस को बढ़ाने के लिए काम करती रहेगी। कंपनी ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म मीशो, बायजूस, डीहाट, मेन्सा ब्रांड्स एंड गुड ग्लैम ग्रुप में निवेश किया हुआ है। यह अधिग्रहण यदि पूरा होता हो डिजिटल पेमेंट (बी2बी) सेग्मेंट में पेयू सबसे बड़ा प्लेयर बन जाता। इससे एक बड़ी डिजिटल भुगतान कंपनी का गठन होता, जिसका कुल वार्षिक भुगतान मूल्य (टीपीवी) 147 अरब डॉलर से अधिक का होता। इसके मुकाबले में भारतीय बाजार में रेजरपे और सीसीएवेन्यू ही होते, जिनका टीपीवी क्रमशः 50 अरब डॉलर और 20 अरब डॉलर है। इस अधिग्रहण की घोषणा के वक्त, पेयू के इंडिया हेड अनिर्बन मुखर्जी ने एक मीडिया हाउस से कहा था कि दोनों कंपनियों के एक होने से बाजार में और नए प्रोडक्ट्स लॉन्च होंगे।

मुद्रस्फीति बढ़ने का कारण टमाटर, पिछले एक साल में 35 फीसदी उछाल आया

नई दिल्ली। मौद्रिक नीति की घोषणा करते समय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी मुद्रस्फीति बढ़ने के कारणों में से एक कारण टमाटर को भी बताया था। महंगाई की पिच पर पिछले एक साल से टमाटर सूर्य कुमार यादव की तरह ताबड़तोड़ बैटिंग कर रहा है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए ताजा आंकड़ों के मुताबिक 3 अक्टूबर 2021 की तुलना में 3 अक्टूबर 2022 को टमाटर के औसत भाव में 35.34 फीसद का उछाल आया है। एक साल पहले 3 अक्टूबर को टमाटर का औसत भाव 32.60 रुपये किलो था। तीन अक्टूबर 2022 को यह खुदरा बाजारों में 44.12 रुपये प्रति किलो के औसत से बिक रहा था। इस अवधि में आलू की भी बैटिंग शानदार रही। एक साल में आलू के भाव 39.84 फीसद उछला है। एक साल में यह 20.23 रुपये से 28.29 रुपये पर पहुंच चुका है। कई लोगों को रुलाने और सरकारें गिराने वाले प्याज का फार्म खराब चल रहा है। एक साल में यह 11.78 फीसद गिरकर 29.36 रुपये प्रति किलो के औसत भाव से 25.90 पर आ गया है। किचन का बजट बिगाड़ने वाले खाद्य तेलों ने नरमी दिखाई, तब आलू-टमाटर के बाद गेहूं ने अपने तेवर दिखा दिए। रूस-उक्रेन युद्ध के कारण गेहूं के दाम बेहताशा बढ़े हैं। खुदरा बाजारों में एक साल पहले गेहूं के आटे का औसत भाव 26.71 रुपये किलो था। तीन अक्टूबर 2022 को यह 16.51 फीसद उछल कर 31.12 रुपये पर पहुंच गया। गेहूं 21.60 फीसद महंगा होकर 30 से 36.48 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। महंगाई की पिच पर दूध, दाल और चीनी भी चमके हैं। एक साल में दूध की कीमत 10.71 फीसद चढ़कर 49.10 रुपये से 54.36 रुपये पर पहुंच गई है। इस दौरान तुअर दाल 6.59 फीसद चढ़कर 112 रुपये प्रति किलो और उड़द दाल 3.14 फीसद महंगा होकर 109.31 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। चना दाल इस दौरान 1.87 फीसद सस्ता हुआ है। मंग, मसूर के तेवर भी तीखे हो चुके हैं। मंग दाल 103.45 और मसूर दाल 96.45 रुपये पर पहुंच चुका है। वहीं, चीनी भी 1.02 फीसद चढ़कर 42.61 रुपये किलो पर पहुच चुका है। एक साल में खाद्य तेलों के दाम काफी हद तक काबू में आ चुके हैं। मोदी सरकार की सजाई फिल्डिंग के आगे सरसों तेल का प्रदर्शन फीका हो चुका है। एक साल में यह 10.76 फीसद सस्ता होकर 188.35 रुपये से 168.08 रुपये पर आ चुका है। वहीं, पाम आयल करीब नौ पर्सेंट सस्ता होकर 132.6 रुपये से 120.68 रुपये पर आ गया है।

डीलरों की आपूर्ति सुधार से सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के आने के पहले वाहन विनिर्माताओं से डीलरों को होने वाली आपूर्ति सुधरने के चलते सितंबर में वाहनों की खुदरा बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ गई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने मंगलवार को सितंबर बिक्री के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री 14,64,001 इकाइयों की हुई जो एक साल पहले की समान अवधि में 13,19,647 इकाई रही थी। फाडा ने कहा कि अक्टूबर के महीने में खुदरा बिक्री की संख्या इससे भी अधिक रहने की संभावना है क्योंकि इस दौरान दशहरा और दिवाली के त्योहार होने से उपभोक्ताओं की मांग अधिक रहने की उम्मीद है।

फाडा ने कहा, ÷डीलरों को इस महीने यात्री वाहन खंड में पिछले एक दशक का सबसे अच्छा त्योहारी मौसम रहने की उम्मीद है। हमें इस महीने बिक्री में और तेजी आने की स्थिति बनती हुई दिख रही है।÷ ट्रैक्टर एवं कुछ तिपहिया वाहनों को छोड़कर बाकी सभी वाहन खंडों ने सितंबर के महीने में बेहतर बिक्री आंकड़े दर्ज किए। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 2,60,556 इकाई जबकि सितंबर 2021 में 2,37,502 वाहन बिके थे। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने एक बयान में कहा, ÷सेमीकंडक्टर की आपूर्ति सुधरने से कारों की उपलब्धता बेहतर होने और आधुनिक खूबियों से लैस नए मॉडलों की पेशकश से उपभोक्ता अपना पसंदीदा वाहन खरीदने के लिए डीलरों के पास बड़ी संख्या में आए।÷

यात्री वाहन खंड में मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1,03,912 इकाइयों की खुदरा बिक्री की जबकि हुदै मोट इंडिया ने 39,118 और टाटा मोटर्स ने 36,435 इकाइयों की बिक्री की। इसी तरह दोपहिया वाहनों की पंजीकरण भी सितंबर में नौ प्रतिशत बढ़कर 10,15,702 इकाई हो गया जबकि एक साल पहले यह संख्या 9,31,654 थी। सिंघानिया ने कहा कि एंट्री-लेवल बाइक खंड में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई। दोपहिया वाहन खंड में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया 2,84,160 इकाइयों के साथ सबसे आगे रही। हीरो मोटोकॉर्प 2,50,246 वाहनों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही। फाडा के मुताबिक, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सितंबर में 19 प्रतिशत बढ़कर 71,233 इकाई हो गई जो एक साल पहले 59,595 इकाई थी। इस खंड में टाटा मोटर्स 28,615 वाहनों की बिक्री के साथ सबसे आगे रही। हालांकि ट्रैक्टर की खुदरा बिक्री मामूली गिरावट के साथ 52,595 इकाई रही। वहीं तिपहिया खंड में बजाज ऑटो 19,474 वाहनों की बिक्री के साथ सबसे आगे रही।

सीएनजी और पीएनजी के दामों में इजाफा, नई दरें आज से प्रभावशील

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में गैस वितरण कंपनी महानगर गैस लि. (एमजीएल) ने सीएनजी कीमतों में 6 रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा कर दिया हैं। इसके अलावा पाइप के जरिए आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की कीमतों में चार रुपये प्रति यूनिट (एससीएम) का इजाफा किया गया है। नई कीमतें सोमवार रात से लागू होंगी। इसके साथ ही मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में वाहनों में ईंधन के रूप में इस्तेमाल होने वाली कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) का खुदरा दाम बढ़कर 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। वहीं घरेलू पीएनजी का दाम 52.50 रुपये प्रति एससीएम होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा है कि सरकार ने एक अक्टूबर से गैस कीमतों में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है जिसकी वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत पेट्रोलियम मूल्य एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ ने 30 सितंबर को एक अक्टूबर से अगले छह माह के लिए घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतों में 40 प्रतिशत की भारी वृद्धि की घोषणा की थी।

हर महिला की मेकअप किट में जरूर होने चाहिए ये पांच मेकअप टूल्स

मेकअप टूल्स की मदद से मेकअप करना न सिर्फ बहुत आसान हो जाता है बल्कि मेकअप भी अच्छे से होता है। हालांकि, अगर आप मेकअप के मामले में नई हैं तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि मेकअप प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल करने के लिए किन मेकअप टूल्स की जरूरत होती है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे मेकअप टूल्स के बारे में बताते हैं, जिनका आपकी मेकअप किट में होना ही जरूरी है।

मेकअप स्पॉन्ज

मेकअप स्पॉन्ज प्राइमर, कंसीलर और फाउंडेशन आदि की लेयर को चेहरे पर समान रूप से फैलाकर एक नेचुरल और स्मूद फिनिश मेकअप बेस तैयार करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, चेहरे पर ब्लश, लूज पाउडर और यहां तक की सनस्क्रीन को अच्छी तरह से ब्लेंड करने के लिए भी मेकअप स्पॉन्ज का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए हर महिला की मेकअप किट में मेकअप स्पॉन्ज का होना जरूरी है।

काबुकी ब्रश और एंगल्ड ब्रश

काबुकी ब्रश की मदद से चेहरे पर लूज पाउडर या ब्लश लगाना आसान हो जाता है। वहीं, इससे लंबे समय तक मेकअप को सेट रखने में भी मदद मिलती है। वहीं, बात अगर एंगल्ड ब्रश की करें तो इसके इस्तेमाल से चेहरे पर कंटूरिंग करना सरल हो जाता है। बता दें कि कंटूरिंग को मेकअप का बेस माना जाता है। इसके जरिए डार्क और लाइट शेड्स की मदद से चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है।

आईलैश कर्लर

आईलैश कर्लर की मदद से पलकों को कर्ल करके आंखों को खूबसूरत बनाया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि पलकों को कर्ल करते समय आईलैशेज कर्लर पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना है क्योंकि इस वजह से पलकें टूट सकती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप हमेशा आईलैशेज कर्लर का इस्तेमाल आराम से करें। वहीं, पलकों को कर्ल करते समय कर्लर को बाहर की तरफ खींचने की बजाय ऊपर की तरफ घुमाएं।

आईब्रो कॉब ब्रश

बालों की तरह आईब्रो को भी सेट करने की जरूरत होती है, जिसके लिए आईब्रो कॉब ब्रश का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है। बता दें कि आईब्रो कॉब ब्रश दो मुंह वाला होता है, जिसके एक तरफ ब्रश होता है तो दूसरी तरफ छोटी सी कंघी होती है। आईब्रो पेंसिल लगाने के बाद ब्रश वाले हिस्से से उसे सेट कर लें और कंघी की तरफ से आईब्रो को शेप दें। यकीनन इसके बाद आपकी आईब्रो फुलर और खूबसूरत लगेंगी।

30 की उम्र के बाद इन चीजों के सेवन से बना लें दूरी

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे शरीर में हाई ब्लड प्रेशर और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए स्वास्थ्य का खास ध्यान देना जरूरी है। इस दौरान डाइट का खास ध्यान रखें क्योंकि एक उम्र के बाद खान-पान की कुछ चीजें स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन 30 की उम्र के बाद करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

पैकेज्ड सूप

अगर आपकी उम्र 30 के पार हो चुकी है और आप हल्की-फुल्की भूख मिटाने के लिए पैकेज्ड सूप का सेवन कर लेते हैं तो आज से ही इनका सेवन करना बंद कर दें। दरअसल, पैकेज्ड सूप में सोडियम की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में पहुंचकर इसे हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक आदि बीमारियों का घर बना सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी डाइट में पैकेज्ड सूप की बजाय होममेड सूप को ही शामिल करें।

ज्यादा मीठे पेय पदार्थ

कई लोग फ्लेवर्ड सोडा पानी, स्पोर्टस ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे मीठे पेय पदार्थों का सेवन करना काफी पसंद करते हैं, लेकिन अगर आप 30 साल के हो गए हैं तो इन पेय पदार्थों का सेवन करना बंद कर दें। दरअसल, इन पेय पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है और इनमें शुगर की मात्रा भी अधिक होती है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकती है।

रिफाइंड कार्ब्स

अगर आपकी उम्र 30 साल से ज्यादा है तो आपको रिफाइंड कार्ब्स से युक्त चीजों के सेवन से दूरी बना लेनी चाहिए क्योंकि रिफाइनिंग प्रक्रिया के दौरान खाद्य पदार्थों में से सभी पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से भरपूर भोजन एक उच्च ग्लाइसेमिक आहार होता है, जो आपके रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकता है, जिसके कारण न सिर्फ मधुमेह बल्कि याददाश्त में कमी और डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारियों की संभावना भी बढ़ जाती है।

अधिक वसा युक्त खाद्य पदार्थ

अध्ययनों पर गौर फरमाया जाए तो अत्याधिक वसा युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन भी 30 की उम्र के बाद करना सही नहीं है क्योंकि यह लीवर को कमजोर कर सकता है। दरअसल, इस तरह के खाद्य पदार्थ शरीर में पहुंचकर शरीर की तंत्रिकाओं और कोशिकाओं में सूजन पैदा करते हैं जिसकी वजह से लीवर कमजोर होने लगता है। इसके अलावा, ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से वजन बढ़ने की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।

गेहूं के आटे की शुद्धता जांचने के लिए अपनाएं ये तरीके

पहले कई महिलाएं खुद ही गेंहू को पीसकर आटा बनाती थीं, जो शुद्ध होता था और इसे लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता था। हालांकि, आजकल लोग इतनी मेहनत नहीं करते और बाजार से गेंहू का आटा खरीद लाते हैं जिसका रंग अलग होता है और इसे लंबे समय तक स्टोर भी नहीं किया जा सकता। ये मिलावटी भी हो सकता है। चलिए आज आपको गेंहू के आटे की शुद्धता पता लगाने के कुछ तरीके बताते हैं।

- **पानी आएगा काम:** पानी के इस्तेमाल से गेहूं के आटे की शुद्धता चेक की जा सकती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि सबसे पहले एक गिलास में पानी भर लें, फिर इसमें एक चम्मच गेंहू का आटा डालकर छोड़ दें। इसके बाद अगर आपको गेंहू का आटा पानी में तैरता मिले तो समझ जाइए कि मिलावट है। दरअसल, ऐसा तब होता है, जब आटे में चोकर की मात्रा कम और मिलावट सामग्री की मात्रा अधिक होती है।
- **नींबू का रस करेगा मदद:** आप चाहें तो गेहूं के आटे की शुद्धता का पता लगाने के लिए नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच आटा डालकर इसके ऊपर नींबू के रस की कुछ बूंदें डालें, फिर चार से पांच मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद अगर आटे में बुलबुले उठने लगें तो समझ जाइए कि इसमें किसी न किसी चीज की मिलावट जरूर है।
- **हाइड्रोक्लोरिक एसिड सॉल्यूशन आएगा काम:** गेहूं का आटा शुद्ध है या नहीं, इसका पता आप हाइड्रोक्लोरिक एसिड सॉल्यूशन की मदद से लगा सकते हैं। इसके लिए एक टेस्ट ट्यूब में एक चम्मच आटा और हाइड्रोक्लोरिक एसिड की तीन से चार बूंदें डालें, फिर इस मिश्रण में एक हल्दी पेपर की स्ट्रिप को डुबोकर निकाल लें। अगर स्ट्रिप के रंग में कोई बदलाव नहीं आया तो समझ जाइए कि आटा शुद्ध है, लेकिन अगर स्ट्रिप लाल रंग की हो जाती है तो आटे में मिलावट है।

एक बेहतरीन स्किन केयर रूटीन के लिए सिर्फ अच्छे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना ही काफी नहीं है। अगर आप स्किन केयर प्रोडक्ट्स को सही समय और सही क्रम में अप्लाई करती हैं, तभी आपको उनका पूरा फायदा मिलता है।

स्किन केयर रुटीन के दौरान इस क्रम में लगाएं प्रोडक्ट्स, मिलेगा पूरा फायदा

हालांकि, समस्या यह है कि कई लोगों को इसके सही क्रम के बारे में पता ही नहीं है। अगर आप भी इन्हीं लोगों में एक हैं तो चलिए आज आपको स्किन केयर प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने का सही क्रम बताते हैं।

फेस सीरम हैं जरूरी और एक्ने ट्रीटमेंट से हटेंगे दाग-धब्बे

सीरम: टोनर के बाद चेहरे पर सीरम लगाएं क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं, जो त्वचा को हर तरह के नुकसान से बचाने में मदद कर सकता है। बेहतर होगा कि आप विटामिन-ए युक्त फेस सीरम का इस्तेमाल करें। स्पॉट ट्रीटमेंट: अगर आपके चेहरे पर किसी तरह के दाग-धब्बे हैं तो आप उन्हें हटाने के लिए सीरम के बाद एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। हालांकि, अगर आपके चेहरे पर कोई दाग-धब्बे हैं तो आप इस स्टेप को छोड़ दें।

रेटिनॉल से मिलेगा स्मूद चेहरा और फेस ऑयल से चेहरे पर आएगी चमक

रेटिनॉल: अगर आप समय से पहले झलकने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव, मुंहासों और दाग-धब्बे आदि से परेशान हैं तो अपने स्किन केयर रूटीन में रेटिनॉल से युक्त क्रीम या सीरम को जरूर शामिल करें। यह आपके चेहरे को एकदम स्मूद और ग्लोइंग बना देगा। फेस ऑयल: फेस ऑयल के इस्तेमाल से चेहरे को भरपूर नमी के साथ ही कई तरह के पोषक तत्व मिल सकते हैं, जिसके कारण चेहरा स्वस्थ और चमकदार नजर आता है।

सबसे पहले क्लींजर, फिर टोनर का करें इस्तेमाल

क्लींजर: सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करने के लिए किसी ऐसे क्लींजर का इस्तेमाल करें जो आपकी त्वचा के प्रकार के हिसाब से अच्छा हो। उदाहरण के लिए तैलीय त्वचा के लिए एक्सफोलिएटिंग फेसवॉश का इस्तेमाल करें, लेकिन अगर आपकी त्वचा रूखी या संवेदनशील है तो सल्फेट मुक्त माइल्ड क्लींजर का चयन करें। टोनर: क्लींजर के बाद हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल करें। टोनर त्वचा को हाइड्रेट करके अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने का काम करता है।

आंखों की देखभाल के लिए आई क्रीम लगाएं और चेहरे को मॉइश्चराइज करना न भूलें

आई क्रीम: आंखों के आस-पास की त्वचा काफी पतली और नाजुक होती है, इसलिए यहां जल्द झुर्रियां और फाइन लाइन्स उभरने लगती हैं। इस परिस्थिति में आंखों की देखभाल के लिए विटामिन-सी युक्त आई क्रीम का इस्तेमाल करें। मॉइश्चराइजर: मॉइश्चराइजिंग त्वचा को पर्याप्त नमी प्रदान करती है। आप चाहें तो त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की बजाय जैतून का तेल और नारियल का तेल आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सनस्क्रीन के बिना अधूरा है स्किन केयर रूटीन

मौसम भले ही कोई भी हो, रोजाना सीमित मात्रा में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी है। बेहतर होगा कि आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ही सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। दरअसल, सनस्क्रीन त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने के साथ-साथ झुर्रियों, पिगमेंटेशन और असमान रंगत को भी दूर करती है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है स्प्राउट्स, जानिए इससे बनाए जाने वाले व्यंजनों की रेसिपीज

स्प्राउट्स यानी अंकुरित अनाज (साबुत मूंग दाल, चने और मटर), जो फाइबर, प्रोटीन, पोटैशियम, कई जरूरी विटामिन्स और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण आदि पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं, इसलिए डाइट में स्प्राउट्स को शामिल करना लाभदायक है। आप चाहें तो कुछ स्वादिष्ट व्यंजनों के रूप में स्प्राउट्स का सेवन कर सकते हैं। आइए आज हम स्प्राउट्स से बनाए जाने वाले कुछ व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर कुछ ही मिनटों में बनाकर खा सकते है।

स्प्राउट्स सलाद: अगर आप वजन नियंत्रित करने में लगे तो आपके लिए अपनी डाइट में स्प्राउट्स सलाद को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। स्प्राउट्स सलाद बनाने के लिए सबसे पहले अंकुरित साबुत मूंग को स्टीम करके एक कटोरे में डालें, फिर इसमें बारीक कटे प्याज, बारीक कटे टमाटर, बारीक कटी हरी मिर्च, थोड़ा सफेद नमक, थोड़ा काला नमक, थोड़ा चाट मसाला और नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अंत में स्प्राउट्स सलाद में भुनी हुई मूंगफली डालकर इसे परोसें।

स्प्राउट्स खिचड़ी: जब भी आपको कंफर्ट फूड खाने का मन करें तो उस समय स्प्राउट्स खिचड़ी बनाकर खाएं। इसके लिए सबसे पहले एक प्रेशर कुकर में देसी घी गर्म करके उसमें जीरा भूनें, फिर इसमें हींग, हरी मिर्च, लहसुन का पेस्ट समेत बारीक कटे प्याज भूनें। इसके बाद कुकर में मिले-जुले स्प्राउट्स, तीन कप पानी और नमक (स्वादानुसार) मिलाकर कुकर का ढक्कन लगाएं और एक सीटी आने के बाद खिचड़ी को धीमी आंच पर पांच मिनट तक पकाएं, फिर इसे गर्मागर्म परोसें।

स्प्राउट्स और सूजी पेनकेक: इसके लिए सबसे पहले एक कटोरे में स्प्राउट्स, सूजी, कद्दूकस की हुई गाजर, टोफू, बारीक कटा प्याज, दही, धनिया, अदरक का पेस्ट, नमक, लाल मिर्च पाउडर और पानी डालकर मिलाएं। ध्यान रखें कि यह मिश्रण न ज्यादा गाढ़ा और न ही ज्यादा पतला होना चाहिए। इसके बाद एक तवे को मक्खन से चिकना करें, फिर इस पर दो चम्मच पैनकेक का मिश्रण डालकर उसे दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक सेकें। इसी तरह सारे मिश्रण से पैनकेक बनाएं।

स्प्राउट्स कटलेट: सबसे पहले एक कटोरे में अंकुरित भूरे चने, अंकुरित हरे चने, अंकुरित सफेद मटर, बारीक कटी हरे धानिया की पत्तियां, नमक, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर डालकर अच्छे से मैश करें। जब सारी चीजें अच्छे से मैश हो जाएं तो मिश्रण को कटलेट्स का आकार दें, फिर सभी कटलेट को कढ़ाही में गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। अंत में गर्मागर्म स्प्राउट्स कटलेट को हरे धनिये की चटनी के साथ परोसें और खाएं।

हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करते समय इन गलतियों से बचें

रोजाना कुछ मिनट हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करने से पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती और कई तरह के अन्य स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। हालांकि, बहुत से लोग इसे करते समय अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिससे उन्हें इसका फायदा नहीं मिल पाता और चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है। चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि इस एक्सरसाइज को करते समय किन-किन गलतियों से बचना चाहिए।

एक्सरसाइज रोड को सही से न पकड़ना

जब हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करें तो इसकी रोड को सही से पकड़ें क्योंकि अगर ग्रिप ढंग से न बनी हो तो हाथों के छूटने से गिरने का डर रहता है। वहीं, कभी भी रोड को अजीब स्थिति में पकड़ने की कोशिश न करें क्योंकि इससे आपको चोट लग सकती है। हैंगिंग लेग रेज करते समय हमेशा रोड को ऐसे पकड़ें जैसे आप मुट्ठी बंद कर रहें हों यानी रोड के एक ओर उंगलियां तथा दूसरी ओर अंगूठे को रखें।

शारीरिक पॉश्चर का गलत होना

हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज रोड के इस्तेमाल से की जाती है, जिसे पकड़ते समय शारीरिक पॉश्चर का सही होना जरूरी है। अमूमन लोग यह एक्सरसाइज करते समय रोड पर झूलते रहते हैं, लेकिन इस गलती के कारण शारीरिक दर्द की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस एक्सरसाइज को करते समय

ध्यान रखें कि आपका शरीर झूले के समान आगे-पीछे नहीं होना चाहिए, बल्कि एकदम स्थिर रहना चाहिए। इससे आपको एक्सरसाइज से भरपूर फायदा मिलेगा।

ठीक से सांस न लेना

कई लोग हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करते समय ठीक से सांस नहीं लेते हैं, लेकिन ऐसा करना उनकी सबसे बड़ी गलती है क्योंकि इससे उनको नुकसान पहुंच सकता है। बता दें कि इस एक्सरसाइज के दौरान सांस लेते समय पैरों को उठाना होता है और पैरों को नीचे करते समय सांस छोड़नी होती है। अगर आप इस एक्सरसाइज के दौरान सांस पर ध्यान नहीं देते हैं तो आपको इसके कारण सांस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

खान-पान को नजरअंदाज करना

बात चाहें हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज की हो या किसी अन्य एक्सरसाइज की, उसके लिए बेहद जरूरी है कि आप अपनी डाइट पर विशेष ध्यान दें ताकि आपको एक्सरसाइज का पूरा फायदा मिलें। दरअसल, जब तक आपकी डाइट सही नहीं होगी तब तक कोई भी एक्सरसाइज करने से कोई फायदा नहीं। इसलिए अपनी डाइट में हमेशा प्रोटीन को जरूर शामिल करें। वहीं, तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन न करें और अधिक से अधिक पानी पिएं।

आओ... आओ कूनो में

हिरणों की छलांग देखो
चीतों की दहाड़ देखो
चिड़ियों की चहचहाट देखो
हाथियों की चिंगाड देखो
आओ... आओ कूनो में
विंध्याचल के पहाड़ देखो

डाल-डाल कूदते बंदर ,
फुदफुदाते खरगोश देखो
यहाँ कोयल गीत गाती है
मोरनी का तुम नाच देखो

ऊँचे ऊँचे पेड़ देखो
साँप सी रेंगती नदी देखो
सब पीते एक घाट पे पानी
कूनो को तुम मुस्कुराते देखो
आओ....आओ कूनो में
विंध्याचल के पहाड़ देखो

कमल राठौर साहिल
शिवपुर मध्य प्रदेश

मां रख दो सिर पर हाथ

माता जग का काटिए, ये संकट का काल ।
मुँह फाड़े सम्मुख खड़ी, बाधाएं बिकराल ।
बाधाएँ बिकराल, कष्ट जीवन में देती ।
करके बुद्धि विनष्ट, सभी खुशियाँ हर लेती ।
कह कोमल कविराय, सदा सुख वैभव दाता।
जीवन के सब क्लेश, हरो ओ मेरी माता ।

माता चरणों में नमन, झुका रहा हूं माथ ।
मां रख दो तुम प्यार से, मेरे सिर पर हाथ ।
मेरे सिर पर हाथ, सभी बाधाएँ भागें ।
जीवन में शुभ भाव, निरंतर मन में जागें ।
कह %कोमल% कविराय, सुखद समृद्धि प्रदाता ।
पद कमलों का दास, बना लो मुझको माता ।

?श्याम सुन्दर श्रीवास्तव %कोमल%
व्याख्याता हिन्दी
अशोक उ0मा0विद्यालय, लहार
जिला - भिण्ड (म0प्र0)

भारतीय पर्यटन उद्योग में आ रही है रोजगार के नए अवसरों की बहार

प्रह्लाद सबनानी

अभी हाल ही में जारी की गई सीधी नियुक्ति मंच हायरेक्ट की जॉब इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, जून 2022 से अगस्त 2022 के तीन महीनों के दौरान टूर एंड ट्रेवल उद्योग में नए रोजगार के अवसरों में जोरदार तेजी देखी गई है, जो भारत के लिए रोजगार की दृष्टि से बहुत अच्छा संकेत माना जा सकता है। दरअसल कोविड महामारी के दौर का असर कम होने के बाद अन्य उद्योगों के साथ ही पर्यटन उद्योग भी अब तेजी से वापिस पटरी पर आ गया है। भारत में वित्त वर्ष 2022-23 के जून-अगस्त 2022 की अवधि के दौरान यात्रा और पर्यटन उद्योग में रोजगार के नए अवसरों में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मासिक आधार पर रोजगार के नए अवसरों में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। यह सब केंद्र सरकार द्वारा पर्यटन उद्योग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समय समय पर लिए गए निर्णयों के चलते ही सम्भव हो पाया है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड जैसे राज्यों का योगदान इसमें बहुत अधिक रहा है। वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, आदि जैसे धार्मिक शहरों में तो पर्यटकों की संख्या में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राज्य लगातार आगे बढ़ रहा है। केवल वाराणसी की ही चर्चा की जाय तो वाराणसी में पर्यटन के क्षेत्र में केवल 4 चार वर्षों में 10 गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से पर्यटकों की संख्या में बड़ा उछाल आया है। धार्मिक आयोजनों के इत्तर वाराणसी शहर में वाटर ट्रेफ्रिज को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके अंतर्गत चार क्रूज संचालित किए जा रहे हैं। देव दीपावली के साथ ही गंगा आरती, पंचकोसी यात्रा, अंतरग्रही परिक्रमा, घाटों का सुंदरीकरण, सारनाथ का विकास, गलियों का कायाकल्प भी पर्यटकों को बहुत लुभा रहा है। भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है।

साथ ही, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से वाराणसी को न केवल आस्था के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि इस प्रकार की व्यवस्थाएं भी खड़ी की जा रही हैं कि यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजित किए जा सकें। वाराणसी में शीघ्र ही एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का इनडोर स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में 95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस भव्य इनडोर स्टेडियम में बैडमिंटन, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, वेटलिफ्टिंग, स्क्वैश, कॉम्बैट जैसे 20 से अधिक इनडोर खेल खेलने की सुविधा होगी। यह मल्टी-लेवल, मल्टी-स्पोर्ट्स इनडोर स्टेडियम, पैरा स्पोर्ट्स के मानकों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। दरअसल पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जिसमें कम निवेश से रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित किए जा सकते हैं। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए एक आकलन के अनुसार पर्यटन पर प्रति 10 लाख रुपए के निवेश पर 47.5 रोजगार के नए अवसर प्रतिपादित होते हैं जबकि कृषि एवं विनिर्माण के क्षेत्र में इसी निवेश की राशि से क्रमशः 44.7 एवं 12.6 रोजगार के अवसर प्रतिपादित होते हैं। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2017-18 में देश में 8.11 करोड़ लोगों को पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा था, जो कि देश में कुल रोजगार के अवसरों का 12.38 प्रतिशत था। इस उद्योग में रोजगार एवं विदेशी मुद्रा अर्जन की असीम सम्भावनाएं मौजूद हैं। यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र, वर्तमान में भारत का तीसरा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा अर्जन करने वाला क्षेत्र है। साथ ही, देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

पर्यटन उद्योग में कई प्रकार की

आर्थिक गतिविधियों का समावेश रहता है। यथा, अतिथि सत्कार, परिवहन, यात्रा इंतजाम, होटेल आदि। इस क्षेत्र में व्यापारियों, शिल्पकारों, दस्तकारों, संगीतकारों, कलाकारों, होटेल, वेटर, कूली, परिवहन एवं टूर आपरेटर आदि को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

दिनांक 4 सितम्बर 2019 को वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व यात्रा पर्यटन प्रतियोगी सूची में भारत की रैंकिंग वर्ष 2017 के 40वें स्थान से ऊपर उठकर वर्ष 2019 में 34वें स्थान पर आ गई है। यह रैंकिंग वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम द्वारा प्रत्येक 2 वर्ष में एक बार जारी की जाती है। वर्ष 2015 में जारी की गई सूची में भारत की रैंकिंग 52वें स्थान पर थी। इस प्रकार पिछले 4 वर्षों के दौरान भारत ने इस रैंकिंग में 18 स्थानों की छलांग लगाई है। एशियाई देशों में निम्न मध्य-आय श्रेणी के देशों में केवल भारत ही एक ऐसा देश है जो इस सूची में प्रथम 35 स्थानों के अंदर अपनी जगह बना पाया है। अन्यथा, इस सूची में विकसित एवं मध्य आय श्रेणी के देशों का ही वर्चस्व है।

भारत में तो हम ÷अतिथि देवो भव÷ के विचारों पर चलने वाले लोग हैं। परंतु, भारत की तुलना में अन्य देशों में पर्यटकों का आवागमन अधिक है। वर्ष 2018 में सबसे अधिक पर्यटक फ्रान्स (8.94 करोड़), स्पेन (8.28 करोड़), अमेरिका (7.96 करोड़), चीन (6.29 करोड़) एवं इटली (6.21 करोड़) में पहुंचे। जबकि भारत में केवल 1.74 करोड़ पर्यटक ही पहुंचे थे। पूरे विश्व में 140.1 करोड़ पर्यटकों ने विभिन्न देशों की यात्रा की। वर्ष 2018 में टर्की एवं वियतनाम ने पर्यटन में क्रमशः 21.7 प्रतिशत एवं 19.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जबकि भारत ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। इस वृद्धि दर को बहुत अधिक तेजी से बढ़ाने के प्रयास करने होंगे। भारत में अध्यात्म (योगा, ध्यान, आश्रमों में भ्रमण), मेडिकल, शिक्षा, आदि क्षेत्रों में टुरिजम की असीम सम्भावनाएं मौजूद हैं। एतिहासिक महत्व के कई स्थान एवं बौध धर्म, इस्लाम धर्म, सिख धर्म एवं हिन्दू धर्म के कई धार्मिक स्थलों को विकसित किया जाकर विदेशी पर्यटकों को देश में आकर्षित किया जा सकता है। भारत सरकार द्वारा भी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उपाय किए जा रहे हैं। इनमें मुख्य हैं, स्वदेशी दर्शन योजना के अन्तर्गत 13 थिमेटिक सर्कट्स का विकास किया जाना, मेडिकल पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेडिकल वीजा आसानी से जारी किया जाना, इनक्रेडिबल इंडिया अभियान-2 को प्रारम्भ किया जाना, सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व में सबसे लम्बी 182 मीटर की स्टैचू की स्थापना किया जाना तथा होटेल एवं पर्यटन के क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को बढ़ाकर 100 प्रतिशत किया जाना, आदि शामिल हैं। भारतीय पर्यटन उद्योग में 87 प्रतिशत हिस्सा देशी पर्यटन का है जबकि शेष केवल 13 प्रतिशत हिस्सा ही विदेशी पर्यटन का है। केंद्र सरकार के साथ साथ हम नागरिकों का भी कुछ कर्तव्य है कि देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम भी कुछ कार्य करें। जैसे प्रत्येक नागरिक, देश में ही, एक वर्ष में कम से कम दो देशी पर्यटन स्थलों का दौरा अवश्य करे। विदेशों से आ रहे पर्यटकों के आदर सत्कार में कोई कमी न रखें ताकि वे अपने देश में जाकर भारत के सत्कार का गुणगान कर सकें। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह प्रण करे की प्रतिवर्ष कम से कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण हेतु प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दुगना किया जा सकता है।

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के लिए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है।

(दशहरा पर विशेष)

सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व दशहरा

योगेश कुमार गोयल

दशहरा समस्त भारत में भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है, जो राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सत्यमेव जयते का मंत्र देता है। पश्चिम बंगाल तथा मध्य भारत के अलावा यह त्यौहार अन्य राज्यों में भी क्षेत्रीय विषमता के बावजूद पूर्ण उमंग, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। देशभर में जगह-जगह पर दशहरे के दिन रावण, कुम्भकर्ण, मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है, जिसका उद्देश्य एक ही है कि हम अपने जीवन में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के महान् आदर्शों को आत्मसात करते हुए अपनी सभी दर्सों इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जितेन्द्रिय बनने का

प्रयास करें। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है। दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से भी जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दर्सों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दर्सों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। दशहरा को आसुरी शक्तियों पर नारी शक्ति की विजय का त्यौहार माना जाता है। आदि शक्ति दुर्गा को 'शक्ति' का रूप मानकर शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्राप्त करने के लिए नौ दिनों तक देवी के नौ अलग-अलग रूपों की व्रत, अनुष्ठान करके पूजा की जाती है। जगह-जगह मां दुर्गा की विशाल प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और माता के जागरण भी किए जाते हैं। माना जाता है कि दुर्गा पूजा से सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य, धन-सम्पदा, आरोग्य, संतान सुख एवं आत्मिक शांति की प्राप्ति होती है। अंतिम नवरात्र पर कुंवारी कन्याओं को भोजन कराकर नवरात्रों का समापन किया जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था।

वीरांगना रानी दुर्गावती जन्म जयंती

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

रानी दुर्गावती (5 अक्टूबर 1524 - 24 जून 1564) भारत की एक प्रसिद्ध वीरांगना थीं,जिसने मध्य प्रदेश के गोंडवाना क्षेत्र में शासन किया।उनका जन्म 5अक्टूबर 1524 को कालिंजर के राजा पृथ्वी सिंह चंदेल के यहाँ हुआ उनका राज्य गढ़ा मंडला था,जिसका केंद्र जबलपुर था। उन्होने अपने विवाह के चार वर्ष बाद अपने पति राजा दलपत शाह की असमय मृत्यु के बाद अपने पुत्र वीरनारायण को सिंहासन पर बैठाकर उसके संरक्षक के रूप में स्वयं शासन करना प्रारंभ किया। इनके शासन में राज्य की बहुत उन्नति हुई। दुर्गावती को तीर तथा बंदूक चलाने का अच्छा अभ्यास था। चीते के शिकार में इनकी विशेष रुचि थी। उनके राज्य का नाम गोंडवाना था जिसका केन्द्र जबलपुर था। वे इलाहाबाद के मुगल शासक आसफ़ खान से लोहा लेने के लिये प्रसिद्ध हैं।

रानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिवर्मन/कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। चंदेल राजपूत वंश की शाखा का ही एक भाग है ।बांदा जिले के कालिंजर किले में 1524 ईसवी की दुर्गाष्टमी पर जन्म के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी। दुर्गावती के मायके और ससुराल पक्ष की जाति भिन्न थी लेकिन फिर भी दुर्गावती की प्रसिद्धि से प्रभावित होकर गोण्डवाना साम्राज्य के राजा संग्राम शाह ने अपने पुत्र दलपत शाह मडावी से विवाह करके, उसे अपनी पुत्रवधू बनाया था। दुर्भाग्यवश विवाह के चार वर्ष बाद ही राजा दलपतशाह का निधन हो गया। उस समय दुर्गावती की गोद में तीन वर्षीय नारायण ही था। अतः रानी ने स्वयं ही गढ़ा मंडला का शासन संभाल लिया। उन्होंने अनेक मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाईं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवाया। रानी दुर्गावती मडावी का यह सुखी और सम्पन्न राज्य पर मालवा के मुसलमान शासक बाजबहादुर ने कई बार हमला किया, पर हर बार वह पराजित हुआ। मुगल शासक अकबर भी राज्य को जीतकर रानी को अपने हरम में डालना चाहता था। उसने विवाद प्रारम्भ करने हेतु रानी के प्रिय सफेद हाथी (सरमन) और उनके विश्वस्त वजीर आधारसिंह को भेंट के रूप में अपने पास भेजने को कहा। रानी ने यह मांग ठुकरा दी। इस पर अकबर ने अपने एक रिश्तेदार आसफ खां के नेतृत्व में गोण्डवाना साम्राज्य पर हमला कर दिया। एक बार तो आसफ खां पराजित हुआ, पर अगली बार उसने दुगनी सेना और तैयारी के साथ हमला बोला। दुर्गावती के पास उस समय बहुत कम सैनिक थे। उन्होंने जबलपुर के पास नरई नाले के किनारे मोर्चा लगाया तथा स्वयं पुरुष वेश में युद्ध का नेतृत्व किया। इस युद्ध में 3,000 मुगल सैनिक मारे गये लेकिन रानी की भी अपार क्षति हुई थी। अगले दिन 24 जून 1564 को मुगल सेना ने फिर हमला बोला। आज रानी का पक्ष दुर्बल था, अतः रानी ने अपने पुत्र नारायण को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। तभी एक तीर उनकी भुजा में लगा, रानी ने उसे निकाल फेंका। दूसरे तीर ने उनकी आंख को बेध दिया, रानी ने इसे भी निकाला पर उसकी नोक आंख में ही रह गयी। तभी तीसरा तीर उनकी गर्दन में आकर धंस गया।

रानी ने अंत समय निकट जानकर वजीर आधारसिंह से आग्रह किया कि वह अपनी तलवार से उनकी गर्दन काट दे, पर वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अतः रानी अपनी कटार स्वयं ही अपने पेट में भोंककर आत्म बलिदान के पथ पर बढ़ गयीं। महारानी दुर्गावती चंदेल ने अकबर के सेनापति आसफ़ खान से लड़कर अपनी जान गंवाने से पहले पंद्रह वर्षों तक शासन किया था। जबलपुर के पास जहां यह ऐतिहासिक युद्ध हुआ था, उस स्थान का नाम बरेला है, जो मंडला रोड पर स्थित है, वही रानी की समाधि बनी है, जहां गोण्ड जनजाति के लोग जाकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

शेरशाह सूरी युद्ध

कालिंजर नरेश महाराज श्रीकीर्तिराज शाह शेरशाह सूरी की सेनाओं से भीषण युद्ध करते हुए कई बहुत गहरे घाव खा गए। चंदेल सैनिक उन्हें मूच्छित अवस्था में पालकी में डालकर किसी प्रकार दुर्ग में ले आए। राजकीय चिकित्सक उनकी चिकित्सा में लग गए।समस्त वातावरण में भय व्याप्त था।कालिंजर नरेश ने शेरशाह सूरी का डटकर मुकाबला किया और अंत में 22 मई 1545 को शेरशाह मार दिया गया था।

सूडोकु नवताल- 6213

कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

सूडोकु नवताल 6212 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

देश में लापता होते लोकतंत्र की तलाश में

नवीन जैन

मल्लिकार्जुन खड़गे का कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनना लगभग तय ही है। कारण कि वे नेहरू गांधी परिवार के किचन केबिनेट के सदस्य रहे हैं। यूपीए सरकार में वे काबीना मंत्री भी थे और फिर सीनियर मोस्ट कांग्रेसी हैं। वे खुद बताते हैं कि आजादी के आंदोलन में गांधी नेहरू के विचारों से वे इतने आंदोलित हुए थे कि दीवारों पर पोस्टर तक चिपकाया करते थे उधर, तिरुअनंतपुरम से कांग्रेस की तरफ से लगातार लोकसभा में जाने वाले शशि थरूर नेता कम, अपने व्यक्तित्व से बालीवुड सेलिब्रिटी ज्यादा लगते हैं। बावजूद इसके वे इतने बुद्धिमान और क्रिएटिव हैं कि विभिन्न विषयों पर अब तक दस से ज्यादा पुस्तकें दे चुके हैं, जिन्हें पढ़ने के लिए किसी खां को भी चांसलर्स शब्द कोष फॉलो करना पड़ता है। वे जब हाउस में बोलने खड़े होते हैं, तो इंग्लिश में बोलें या हिंदी में सन्नाटा छा जाता है। वे इतने निडर हैं कि एक बार तो लंदन जाकर अंग्रेजों से उनके द्वारा भारत की पूरी दौलत ब्याज सहित वापस करने की मांग सार्वजनिक रूप से उठा आए थे, लेकिन इंदिरा गांधी के जमाने से ही कांग्रेस आला कमान यस मैन को ही तरजीह देता रहा है। कांग्रेसी बायो डेटा में यही गुण सबसे पहले देखा जाता है। शशि थरूर में भी यह गुण देखा गया था, लेकिन कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र के लिए, जो सुधार किए जा सकने वाला जी-23 पत्र लिखा गया इसमें चूंकि थरूर भी शामिल थे इसलिए वहीं से पाटी में दो धाराएं विकसित हो गई। इन्हें स्वतंत्रता के पहले वाले गर्म और नर्म दल तो नहीं कह सकते, लेकिन 23 वरिष्ठ सदस्यों को पार्टी में अपनी भूमिका शून्य होती नजर आने लगी थी। जो झंझावात इस बार अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस में मचा उसका क्या परिणाम होता है, यह तो भविष्य ही बताएगा, लेकिन यह फिर निश्चित हो चुका है, कि जिसके माथे पर नेहरू परिवार हाथ रखेगा वही उच्च पद के स्वर्ग का भागी बनेगा। खड़गे के नामांकन और उनकी ही जीत की संभावना से यह, तो पक्का है कि कांग्रेस सालों बाद राजनीति का जवाब वैसे ही राजनीति से दे रही है, क्योंकि आदिवासी समुदाय को लुभाने के लिए भाजपा ने आदिवासी महिला द्रोपदी को राष्ट्रपति बनाया। खड़गे दलित हैं। उनके दशकों पहले स्व. बाबू जगजीवन राम ने यह पद संभाला था, जो प्रधानमंत्री भी बनाए जा सकते थे और दलित थे। कांग्रेस किसी भी तरह हरेक समुदाय में अपना जनाधार बढ़ाने की जी तोड़ कवायद कर रही है। राहुल गांधी की पांव-पांव, गांव-गांव यात्रा भी उसी दिशा में उठाया जा रहा अभिनव, तो नहीं, लेकिन आजमाया हुआ नुस्खा है। कहते हैं एक आदमी सदियों पहले अफ्रीका से चला था और फिर खरामा खरामा दुनियां बसती गई।

यह समय चला जाएगा पर अपने बहुत निशान छोड़ जाएगा : अविका गौर

बालिका वधु शो में आनंदी के रूप में प्रसिद्धि पाने वाली अभिनेत्री अविका गौर को लगता है कि कोविड एक दिन खत्म हो जाएगा लेकिन अपने पीछे निशान छोड़ जाएगा। अविका ने कहा, हम कोविड 19 वायरस के कारण मौत का सामना कर रहे हैं। हम अपने जीवन में शायद कभी ऐसा भयानक समय नहीं देखेंगे। अभी भी लड़ने के लिए इतनी बड़ी लड़ाई है। ऐसा कहना कि आप सभी प्रोटोकॉल का पालन कर रहे है ये सही नहीं है सबको प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए ये सचमुच जान बचा रहा है। अविका ने आगे मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने पर जोर दिया और कहा यह बीमारी मुख्य रूप से वायु जनित है और हमें मास्क लगाना होगा, सामाजिक दूरी को बनाए रखना होगा और जो भी कहा जाए उसका पालन करें। जब भी और जिस भी तरीके से हम कर सकते हैं, एक दूसरे की मदद करें। यह समय चला जाएगा लेकिन बहुत सारे निशान छोड़ जाएगा। वर्तमान में, अविका के पास कुछ तेलुगु प्रोजेक्ट्स आ रहे हैं। वह नागा चैतन्य और राशी खन्ना अभिनीत थैंक यू और कल्याण देव के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो पिछले नवंबर में अविका ने पुष्टि की थी कि वह रोडीज 17 प्रतियोगी मिलिंद चंदवानी को डेट कर रही हैं।

रवीना टंडन ने मां वीणा टंडन को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

नब्बे के दशक की खूबसूरत अभिनेत्री रवीना टंडन की मां वीणा टंडन का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर रवीना ने अपनी मां को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

रवीना ने अपनी मां की कुछ थ्रोबैक तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इन ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में उनकी मां बहुत खूबसूरत लग रही है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रवीना ने लिखा-आपने मुझे बहुत कुछ सिखाया है, लेकिन मैं कभी आपकी सुंदरता को पार नहीं कर पाऊंगी। अपने मुझे बनाया है और मुझे सब दिया है। जन्मदिन मुबारक हो, आई लव यू मॉम! रवीना की इस पोस्ट पर उनके फैंस के साथ-साथ मनोरंजन जगत की हस्तियां भी उनकी मां को जन्मदिन की बधाई दे रही हैं। रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो रवीना टंडन जल्द ही प्रशांत नील की फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 में नजर आयेंगी।

देजा वु एक बड़े बजट की फिल्म नहीं : शरद केलकर

अभिनेता शरद केलकर अपनी पहली सोलो लीड फिल्म, थ्रिलर देजा वु की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह उसे दबाव से नहीं तौलेगे क्योंकि उन्हें लगता है कि दबाव से चीजें गलत हो जाती हैं। शरद ने बताया कि मैंने इस प्रोजेक्ट को बहुत सावधानी और समझदारी से चुना। यह एक बड़े बजट की फिल्म नहीं है, जहां बहुत सारा पैसा मुझ पर लगा है, लेकिन इसका कंटेंट बहुत अच्छा है। मुझे विश्वास है कि जिस तरह से हमने इसे शूट किया है, उसके कारण फिल्म की सराहना की जाएगी और मुझे निर्देशक अभिजीत वारंग पर पूरा भरोसा है। वह कहते हैं मैं किसी भी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। अगर आप दबाव लेते हैं, तो चीजें गलत हो सकती हैं, और अगर आप कोई दबाव नहीं लेते हैं तो वे बहुत आसानी से चले जाते हैं।

फिल्म के इस साल के आखिर में नाटकीय रूप से रिलीज होने की उम्मीद है। शरद, तानाजी

द अनसंग वॉरियर, लक्ष्मी और दरबान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं और जल्द ही अजय देवगन, सोनाक्षी सिन्हा और संजय दत्त के साथ भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया में नजर आएंगे।

सलमान खान की फिल्म राधे की विदेश में धूम

कोरोना वायरस के चलते भारत में सिनेमाघरों को फिलहाल बंद कर दिया गया है. ऐसे में खई बड़े प्रोजेक्ट्स की रिलीज बीच में ही अटक गई थी, लेकिन सलमान खान ने अपनी फिल्म राधे: यॉर मोस्टवॉन्टेड भाई को थिएटर और ओटीटी पर रिलीज किया था. सलमान ने फैन्स से कमिटमेंट की थी कि उनकी फिल्म सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी, लेकिन भारत में ऐसा नहीं हो पाया. विदेश में फिल्म सिनेमाघरों में लगी है. फिल्म को भारत में तो लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख ही रहे हैं, साथ में फिल्म को विदेश में भी पूरा प्यार मिल रहा है. राधे की बात की जाए तो फिल्म ने दुबई और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा कमाई की है. कोरोना संकट के दौरा में राधे ने अंतरराष्ट्रीय मार्केट में अभी तक 2.94 करोड़ रुपए कमाए हैं. ये एक बड़ा आमाउंट है. इससे साफ होता है कि फिल्म भारत के साथ विदेश में भी हिट है क्योंकि ये कमाई तब है जब सिर्फ 50 प्रतिशत के हिसाब से थिएटर में दर्शक आ रहे हैं. हालांकि हफ्ते के अंत तक फिल्म की कमाई ज्यादा होने की उम्मीद लगाई जा रही है. ओपनिंग वीकेंड पर तो वैसे ही फिल्म से ज्यादा कमाई करने की उम्मीद जताई जा रही है. सलमान खान की एक्टिंग को दर्शक काफी पसंद भी कर रहे हैं. सबसे ज्यादा फिल्म में सलमान खान की एक्टिंग दर्शकों की जुबान पर है. फिल्म के डायरेक्टर प्रभुदेवा हैं और इसमें मुख्य भूमिका में दिशा पाटनी, जैकी श्रॉफ और रणदीप हुड्डा नजर आ रहे हैं. सलमान खान की इस फिल्म में हालांकि आईएमडीबी ने कुछ खास रेटिंग नहीं दी है. आईएमडीबी ने राधे को 10 में से 2.3 स्टार्स ही दिए हैं. इसके अलावा इस फिल्म में सलमान के साथ बिग बॉस के एक्स-कंटेस्टेंट भी नजर आए हैं. इसमें गौतम गुलाटी और मनवीर गुर्जर का नाम भी शामिल है।

14,000 से अधिक लोगों ने 10 लाख डॉलर जुटाने में मदद की : प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने साझा किया कि भारत को कोविड 19 की दूसरी लहर के बीच मदद करने के लिए 14,000 से अधिक योगदानकताओं ने 10 लाख डॉलर जुटाने में मदद की है,प्रियंका ने भारत के समय के अनुसार बुधवार देर रात इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें एक विश्व मानचित्र और उन देशों को दिखाया गया है जहां से भारत की मदद करने के लिए दान डाला गया है।

वीडियो शेयर कर प्रियंका ने लिखा कि हमारे इतिहास के कुछ सबसे काले दिनों में,मानवता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हम एक साथ बेहतर हैं। निक और मैंने आपके समर्थन से बहुत खुश हैं, और हमने दुनिया के इतने सारे हिस्सों से भारत के लिए मदद एकत्र कर ली है।

प्रियंका ने आगे कहा, 14000 से अधिक अच्छे नागरिकों ने अपना दिल खोल के इस कठिन समय में 10 लाख डॉलर जुटाने में हमारी मदद की। अनगिनत अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए इसे दुनिया में फैलाने में हमारी मदद की। एकत्र किया गया सारा पैसा देश में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वैक्सीन आदि की जरूरत पूरा करने में लगाया जा रहा है। प्रियंका ने साझा किया कि अब हमें 30 लाख डॉलर का लक्ष्य पूरा करना है।अभिनेत्री ने कहा हम सभी मदद करना जारी रखेंगे, यहाँ रुकना नहीं है।

जब कार्तिक आर्यन ने अपने रिलेशनशिप को लेकर खोला राज

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने साल 2011 में फिल्म प्यार का पंचनामा से हर तरफ खूब सुर्खियां बटोरी थीं. जिसके बाद कार्तिक लुका-छुपी, पती पत्नी और वो जैसी कई शानदार फिल्मों में नजर आए और इन सभी फिल्मों में दर्शकों ने कार्तिक की अदाकारी को बेहद पसंद भी किया. वहीं कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में कार्तिक आर्यन ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की थी. कार्तिक आर्यन ने अपने रिलेशनशिप पर बात की और बताया कि जब भी मेरी कोई गर्लफ्रेंड बनती है, मेरी मम्मी उसके साथ दोस्ती कर लेती हैं, जिसकी वजह से मैं साइड हो जाता हूं. कार्तिक ने इस इंटरव्यू में बताया कि- मेरी पर्सनल लाइफ के बारे में मेरी मां बहुत कुछ जानती हैं. मैं जब भी किसी रिलेशनशिप में होता हूं, मेरी मां मेरी गर्लफ्रेंड से दोस्ती कर लेती हैं. मेरा मां और मेरे बीच मां-बेटे के साथ-साथ दोस्ती का रिश्ता भी है. वहीं बात करें कार्तिक आर्यन की फिल्मों की तो प्यार का पंचनामा के अलावा कार्तिक आकाशवाणी, गेस्ट इन लंदन, कांची, लव आज कल 2, और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी शानदार फिल्मों में काम कर चुके हैं।

अनन्या पांडे की कजिन अलाना ने शेयर की लेटेस्ट तस्वीरें

चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे बॉलीवुड में अच्छी खासी पहचान बना चुकी हैं। वहीं चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडेय की बेटी और अनन्या की कजिन अलाना पांडे ने फिल्मों में तो एंट्री नहीं ली है, लेकिन बोल्डनेस के मामले में अच्छे-अच्छों को टक्कर देती हैं। 22 साल की अलाना पांडे सोशल मीडिया पर किसी स्टार की तरह ही फैन फॉलोइंग रखती हैं। वो अपनी बोल्डनेस के जरिए इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चाएं बटोरती रहती हैं। अलाना पांडे का इंस्टाग्राम एकाउंट बोल्ड तस्वीरों से भरा हुआ है। उनकी फोटोज देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वो कितने कॉन्फिडेंस के साथ बोल्ड फोटोशूट करवाती हैं। अलाना किसी एक्ट्रेस से कम ग्लैमरस नहीं है, वो कई ब्रैंड्स के लिए मॉडलिंग भी कर चुकी हैं। हालांकि, फिल्मों में उन्हें देखने के लिए फैंस को थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। अलाना पांडे अपने सोशल एकाउंट पर वैकेशन फोटोज से हचलच मचाती दिखाई दे जाती हैं। वो समुंदर किनारे बिकिनी में फोटोज शेयर करती रहती हैं।

क्या एक्सरसाइज के दौरान मास्क पहनना सुरक्षित है?

आमतौर पर लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि एक्सरसाइज़ या मॉर्निंग वॉक के दौरान मास्क पहनना सुरक्षित है या नहीं? इसी विषय पर हाल ही में इटली की मिलान यूनिवर्सिटी और मोनजिनो कार्डियोलॉजी सेंटर के शोधकर्ता अपने एक शोध के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि जिम में एक्सरसाइज करते समय या पार्क जैसे सार्वजनिक स्थलों पर वॉक करते समय मास्क पहनना पूरी तरह सुरक्षित है। इसकी वजह से कोई साइड इफेक्ट नहीं होता। जिम में एक साथ कई लोग एक्सरसाइज कर रहे होते हैं। इस दौरान लोगों की सांस की गति तेज हो जाती है, जिससे उनके मुंह में ड्रॉपलेट्स के अति सूक्ष्म कण आसपास के वातावरण में तेजी से फैलते हैं, नतीजतन संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार इंडोर जिम में मास्क पहनने से लोगों के बीच कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। इस शोध में कुल 100 प्रतिभागियों को दो समूह में बांटा गया था, जिनमें से एक को एक्सरसाइज के दौरान मास्क पहनने को कहा गया और दूसरे को ऐसा करने से मना किया गया। फिर दोनों समूह के लोगों की सांस, हृदय गति, ब्लडप्रेशर और एक्सरसाइज के प्रभाव को आंकने के लिए विस्तृत जांच की गई शोधकर्ताओं के अनुसार मास्क पहनने वाले लोग संक्रमण से पूर्णतः सुरक्षित थे, जबकि मास्क न पहनने वाले लोग आंशिक रूप से संक्रमित थे, इसलिए वैज्ञानिकों ने लोगों को यह सुझाव दिया कि जिम में एक्सरसाइज करते हुए उन्हें मास्क जरूर पहनना चाहिए।

क्या आपने एक गर्म तौलिया से स्क्रब करने की कोशिश की है? जानें इसके भौतिक लाभ

बदलते पर्यावरण, बढ़ते प्रदूषण, गलत खान-पान का हमारी त्वचा और स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ता है। नतीजतन, मृत त्वचा, ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स या त्वचा पर छिद्र कई के चेहरे पर खुल जाते हैं। इसलिए हम पार्लर जाते हैं या घर पर कई तरह के स्क्रब ट्राई करते हैं। लेकिन, स्क्रब करने पर यह केवल अस्थायी अंतर बनाता है। फिर कुछ दिनों में समस्या फिर से सामने आ जाती है। हालाँकि, क्या आपने कभी हॉट तौलिया स्क्रब की कोशिश की है? यह स्क्रब डेड स्किन, ब्लैकहेड्स, व्हाइटहेड्स के साथ-साथ चेहरे की थकान और तनाव की समस्या को भी दूर करता है। तो आइए जानें इस स्क्रब को करने का सही तरीका। हॉट टॉवल स्क्रब करने के लिए आपको हर बार पार्लर या सैलून नहीं जाना पड़ता है। इसलिए, इसे घर पर भी स्क्रब किया जा सकता है। तो आइये देखते हैं कि यह सस्ता कूल स्क्रब कैसे किया जाता है।

वास्तव में एक गर्म तौलिया स्क्रब क्या है: हॉट टॉवल स्क्रब एक प्रकार का उपचार है। गर्म पानी में एक तौलिया भिगोएँ। फिर इस गीले तौलिये से शरीर की धीरे-धीरे मालिश करें। यह स्क्रब शरीर पर सर्कुलर मोशन में किया जाता है। जो शरीर पर छिद्रों, मांसपेशियों और छिद्रों को ढीला करता है। इसके अलावा, गर्म तौलिये को रगड़ते समय हमेशा एक सूती तौलिया लें।

त्वचा पर झुर्रियों को कम करता है: गर्म तौलिया स्क्रब हाथों, चेहरे या शरीर की त्वचा पर झुर्रियों को कम करता है। इस स्क्रब से मांसपेशियों को आराम मिलता है। साथ ही इससे ब्लड सर्कुलेशन भी ठीक रहता है। मृत्यु भी दूर हो जाती है।

शिवपुरी मे पुलिस कैफेटेरिया का अति. पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक जोन ग्वालियर द्वारा किया गया उद्घाटन, एवं पुलिस कन्ट्रोल रुम मे ली क्राइम मीटिंग

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आज दिनांक को अति. पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक जोन ग्वालियर श्री डी. श्रीनिवास वर्मा द्वारा शिवपुरी मे नवनिर्मित कैफेटेरिया का उद्घाटन किया गया है, शिवपुरी कैफेटेरिया मे आज से आम लोग एवं पुलिस परिवार के लोग आकर खाने-पीने का आनंद ले सकेंगे, पुलिस कैफेटेरिया मे विभिन्न प्रकार के फास्ट फूड कम दाम पर उपब्ध होंगे । इस पर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल, अति. पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस कैफेटेरिया के उद्घाटन के पश्चात अति. पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम शिवपुरी मे पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल के साथ पुलिस अधिकारियों की क्राइम मीटिंग ली

एवं कई दिशा निर्देश भी दिए । क्राइम मीटिंग मे निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई । समस्त थाना प्रभारियों को लंबित अपराधों के त्वरित निकाल हेतु निर्देश दिये । जिले में लंबित सीएम हेल्पलाइन के निकाल हेतु एवं आवश्यक कार्यवाही के संबंध में थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थाना प्रभारी लंबित शिकायतों पर कार्यवाही करें एवं उनका संतुष्टी पूर्वक निकाल कराना सुनिश्चित करेंगे । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र मे कानून व्यवस्था को अच्छे तरीके से बनाये रखने के सख्त निर्देश दिये कोई भी व्यक्ति कानून व्यवस्था को भंग करता है तो उसकी जानकारी तुरंत बरिष्ठ अधिकारियों को दें एवं तुरंत कार्यवाही करेंगे । सभी थाना प्रभारी फरियादी को गंभीरता पूर्वक सुनेंगे एवं तत्काल प्रभाव कार्यवाही करेंगे। एसीएसटी के प्रकरणों के राहत प्रकरणों का त्वरित निकाल कर राहत राशि शीघ्र फरियादी को दिलाने हेतु कार्यवाही की जावे इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल, अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया, समस्त एसडीओपी महोदय, रक्षित निरीक्षक भारत सिंह यादव, थाना प्रभारी कोतवाली, देहात, फिजीकल, सुरवाया, सिरसौद, महिला थाना, एवं यातायात थाना प्रभारी उपस्थित रहे ।

दिनांक 4 अक्टूबर 1977 का वह दिन जब पूरी दुनिया ने संयुक्त राष्ट्र संघ से पहली बार अटल जी के मुख से सुनी हिंदी की सिंह गर्जना

हिंदी योद्धा अटल जी को शत शत् प्रणाम एवं स्मरण

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। जिला मंत्री पेन्शनर कर्मचारी संघ के. सी. शर्मा एवम दिलीप मिश्रा(पूर्व उपाध्यक्ष एवं साहित्य सधाक) मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर ने पूर्व प्रधानमंत्री और हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि माननीय श्री अटल जी को याद करते हुए आज दिनांक 4 अक्टूबर का महत्व बताते हुए कहा कि आज ना तो भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि माननीय श्री अटल जी का जन्म दिन (जयंति) है और ना ही उनकी पुण्यतिथि, फिर भी आज भारत का यह हिंदी पुत्र हिंदी के साधकों को अचानक क्यों याद आ गया ? तो आज हम भारतीयों के लिए

वह गौरवशाली दिन हैं जब पूरी दुनिया ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पहली बार हिंदी की सिंह गर्जना सुनी थी और भारत का प्रत्येक हिंदी पुत्र गदगद हो कर भारत मांता की जय जयकार कर रहा था दिन था 4 अक्टूबर 1977 का वह एतिहासिक अदभुत छण , जब तत्कालीन जनता पार्टी के विदेश मंत्री परम श्रधेय स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी की गगन भेजी अमृतवाणी संयुक्त राष्ट्र संघ की साधारण सभा के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के समक्ष हिंदी में प्रथम बार गूंज उठी थी और भारत का प्रत्येक हिंदी पुत्र गदगद हो कर भारत इंकृत कर देने वाली तालियाँ से पूरा हाल गूंज उठा था 7 उस समय स्वर्ग से मां भारती से पुष्प वर्षा की थी और सौभाग्य से उस दिन भी आसमान से शरद का चांद अमृत वर्षा कर रहा था, यानि उस दिन भारत में शरद पूर्णिया थी और अरुणिमा गगन को रक्ताम्बर करने को व्याकुल हो रही थी।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड पलेरा द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ संपन्न

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़ पलेरा। आज विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड पलेरा द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ संपन्न हर वर्ष की भांति इस वर्ष बजरंग दल प्रखंड पलेरा द्वारा शस्त्र पूजन कार्यक्रम शीतला माता मंदिर पर देवी माता के पंडाल में किया गया बजरंग दल के सभी कार्यकर्ताओं ने हिंदू देवी देवताओं एवं गौ माता की रक्षा के लिए संकल्प लिया जिसमें बजरंग दल के सभी पलेरा प्रखंड दायित्व वान कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे इसमें ह.ह्या.ह्या. नगर कार्यवाह पुष्पेंद्र सिंह राजपूत बजरंग दल प्रखंड संयोजक राजेंद्र राय विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष मयंक गुप्ता प्रखंड मंत्री राजिंदर सिंह

भारती प्रखंड बल उपासना केंद्र शान सिंह यादव सह संयोजक विपुल दुबे सह संयोजक दीपक कुशवाहा विद्यालय प्रमुख प्रखंड सुरक्षा प्रमुख राजा सिंह सिसोदिया भोले रैकवार रॉकी रैकवार सोनू रैकवार गुल्लू प्रजापति आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पुरानी पेंशन हमारा हक है... नीलेश शर्मा

पुष्पांजली टुडे

अम्बाह। न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ मध्यप्रदेश के प्रान्ताध्यक्ष सतेन्द्र सिंह तिवारी के आह्वान पर नीलेश शर्मा जिलाअध्यक्ष मुरैना के नेतृत्व में 23अक्टूबर 2022 को गाँधी जयंती के अवसर पर पुरानी पेंशन बहाली हेतु एन पी एस आहुति यज्ञ , पेंशन सत्याग्रह के रूप मे धरना-प्रदर्शन कर माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार महोदय मुरैना माला शर्मा को दिया गया गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम श्री शिवराज शर्मा सम्भागीय अध्यक्ष राज्य अध्यापक संघ,जनक सिंह रावत राष्ट्रीय संयोजक न्यू मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन संघ ,आसुतोष तिवारी जिलाअध्यक्ष कर्मचारी कोंग्रेस ,भंवर सिंह तोमर प्रांत उपाध्यक्ष आजाद अध्यापक संघ , अतिथियों द्वारा गांधीजी को नमन् किया और उनके जीवन पर प्रकाश डाला इसके बाद नीलेश शर्मा जिलाअध्यक्ष न्यू मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन संघ ने एन. पी. एस. आहुति यज्ञ

किया और संगठन के उद्देश्य और आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला भंवर सिंह तोमर ने पेंशन नहीं तो वोट नहीं की शपथ सभी कर्मचारियों को दिलवाई प्रदीप शर्मा जिला संगठन मंत्री और नरोत्तम माहौर जिला उपाध्यक्ष न्यू मूवमेंट फोर ओल्ड पेंशन संघ ने कार्यक्रम का संचालन किया रूस्तम धारियां तहसील अध्यक्ष मुरैना ने सभी कर्मचारी साथियों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में सुरेंद्र जाट को तहसील अध्यक्ष अम्बाह की जिम्मेदारी महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष मधुलता तोमर ने दी महासचिव रामप्रसाद सखवार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया नीलेश शर्मा ने कहा कि आज गांधी जयंती पर पेंशन सत्याग्रह मध्यप्रदेश और हिमाचल प्रदेश के सभी जिलो मे एक साथ किया जा रहा है।अन्य जिलो की भांति मुरैना जिले मे भी कार्यक्रम का आयोजन जीवाजी गंज पार्क मुरैना मे किया कार्यक्रम में रघुराई सिंह, सुनीता सिंह , कल्पना शर्मा, नीतू तोमर अंजू इंदोरिया ,सुमन शर्मा ,भागीरथ प्रसाद अर्गल, उमेश शर्मा , देवेंद्र सिंह , सुनील सिंह , पातीराम बंसल , सुरेश पाठक रामरतन सिंह, बृजराज सिंह तोमर, राकेश बाबू शर्मा , अशोक कुमार ,लाखन खरे,विजय सिंह यादव ,बकील सिंह दोनरिया,संजय कुमार जैन , महेश चंद्र जाटव ,केदार तिवारी , नीलेश शर्मा सहित सेकडो कर्मचारी साथी उपस्थित रहे

जितेंद्र चौधरी बने महामंत्री

पुष्पांजली टुडे

मुम्बई सम्पूर्ण राजस्थानी समाज के लिए बड़ी खुशी कि खबर है की भारतीय जनता पार्टी के मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार व राजस्थानी सेल के मुंबई अध्यक्ष नरेंद्र भंडारी के नेतृत्व में राजस्थानी सेल मुंबई से जितेंद्र चौधरी जीतू भाई सीरवी को महामंत्री पद कि जिमेदारी दी गई है आज सीरवी समाज के लिये हि खुशी कि लहर नहीं है पूरे 36 कॉम के सम्पूर्ण राजस्थानी समाज मुंबई के लिये खुशी कि लहर है आज से जीतू भाई राजस्थानी समाज को पार्टी पक्ष से मुंबई में राजस्थानी भाईयो कि आवाज को हमेशा उठायेंगे और भारतीय जनता पार्टी को मुंबई के मजबूती प्रदान करेंगे एक बार पूरे संपूर्ण राजस्थानी समाज व संपूर्ण सीरवी समाज कि और से जीतू भाई को हरदय से बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। ये जानकारी जयेश टी चौधरी द्वारा दी गई।

गौधृत देशी गाय का दूध केन्द्र का हुआ उद्घाटन

स्टेट हेड झारखंड-
आनन्द कुमार शाही

हजारीबाग-हज़ारीबाग में नवमी के दिन मटवारी में गौधृत देशी गाय का दूध केंद्र का उद्घाटन सदर विधायक मनीष जायसवाल ने फीता काट कर किया। विशिष्ट अतिथिगण बरकट्ठा विधायक अमित यादव और भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव आदि मुख्य थे।मौके पर चुटियारो पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सुरेश रजक, सखिया पंचायत पूर्व मुखिया अरुण कुमार यादव, प्रमेश्वर यादव टिन्कु यादव आदि उपस्थित थे।

केन्द्र के संचालक दशरथ यादव और मनोज यादव हैं। श्री यादव ने कहा कि यहां पर शुद्ध देशी गाय का दूध और दुग्ध उत्पाद मिलेगा।

पिछले चौदह महीने से हजारीबाग शहर में देशी गाय का दूध उपलब्ध करा रहें हैं, जो पूरी तरह से ऑर्गेनिक है। ग्राहकों की बढ़ती मांग पर यहां केन्द्र खोला गया है।शहरों में अधिकतर लोग जर्सी तथा एच.एफ. गाय के दूध का सेवन कर रहे हैंजो न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से अपवित्र है बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से हानिकारक है। जर्सी आदि विदेशी नस्त की गायों के दूध को वैज्ञानिकों ने ए1 नाम दिया है जो पीने योग्य नहीं है। वहीं भारतीय/देशी नस्त के गायों के दूध को वैज्ञानिकों ने ए2 नाम दिया है जो न केवल पीने योग्य है, बल्कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अत्यधिक लाभकारी भी है। यही कारण है कि भारत में सदियों से दूध की महिमा है। उपभोक्ता फेसबुक फेसबुक पेज पर भी हमसे संपर्क कर सकते हैं।

लखीमपुर खीरी हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता अजय मिश्र टेनी को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पद से बर्खास्त करने प्रधानमंत्री के नाम गोहद एसडीएम को मध्य प्रदेश किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

गोहद-भिंड। लखीमपुर खीरी हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता अजय मिश्र टेनी को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पद से बर्खास्त करने निर्दोष किसानों की जेल से रिहाई की मांग और उनके ऊपर लगाए गए झूठे केस वापस लेने को लेकर मध्य प्रदेश किसान सभा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम गोहद एस डी एम की अनुपस्थिति में स्टेनो अरविंद गुप्ता को ज्ञापन सौंपा है ।

ज्ञापन में मध्य प्रदेश किसान सभा ने मांग की है। कि लखीमपुर खीरी हत्याकांड की पहली बरसी पर ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। किसान नेता कहते हैं कि पिछले वर्ष 3 अक्टूबर के ही दिन तिकोनिया लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश में शांतिपूर्ण आंदोलन कर वापस लौट रहे किसानों को थार गाड़ी चढ़ाकर इस घटना में 4 किसान और एक पत्रकार शहीद हो गए 13 से अधिक किसान बुरी तरह घायल हुए थे। इस घटना के पीछे सुनियोजित षड्यंत्र था। जिसे बाहुबली अजय मिश्र टेनी ने अपने बेटे आशीष मिश्र टेनी के साथ मिलकर रचा था देशभर में इस कृत्य के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ शहीद किसानों के अंतिम संस्कार के दौरान

किसान नेताओं के साथ सरकार का कुछ मांगों पर समझौता हुआ लेकिन उन मांगों पर ना तो केंद्र सरकार और ना ही राज्य सरकार ने कोई ध्यान दिया आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर लखीमपुर महापड़ाव में भी इन मांगों को दोहराया गया जिला प्रशासन ने अगस्त के अंत तक राज्य सरकार से बैठक कराने का वादा भी किया लेकिन आज तक मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को या उस समझौते में शामिल अधिकारियों को किसान नेताओं के साथ मीटिंग करने की फुर्सत नहीं मिली है किसान नेताओं ने मांग की है कि लखीमपुर हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता अजय मिश्र टेनी को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री पद से बर्खास्त किया जाए तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए इस घटना के संबंध में एफ आई आर संख्या 219 / 21 दर्ज कराई थी ।जिसके विभिन्न पहलुओं पर कोई कार्यवाही नहीं हुई हैं।अजय मिश्र टेनी द्वारा लगातार किसानों के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान की वजह से किसानों ने 3 अक्टूबर को तिकोनिया में विरोध दर्ज किया था उन्होंने 25 सितंबर 2021 में एक सभा में खुले मंच से एक धर्म विशेष के किसानों को लखीमपुर खीरी से खदेड़ कर बाहर करने की धमकी भी दी थी। शहीद किसानों और घायलों के परिवारों को आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी का वादा भी सरकार ने दिया था सरकार के प्रतिनिधि अधिकारियों ने आश्वासन तो दिया लेकिन उसे पूर्ण आज तक नहीं किया प्रत्येक शहीद हुए साथी के परिजनों को ?45 लाख मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात की गई थी। सभी घायलों को ?10 लाख का मुआवजा देने की बात भी की गई थी। सरकार ने केवल 5 शहीद हुए शहीदों के परिवारों को ?45 लाख मुआवजा दिया है। बाकी सभी आश्वासनों को पूरा करने से कतरा रही है। घटना से संबंधित गवाहों पर जानलेवा हमले हो रहे हैं पैरवी कर रहे किसान नेताओं पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं ।डराने धमकाने की साजिस चल रही है। इस घटना के सभी गवाहों और पैरवी कर रहे किसान नेताओं की मजबूती से सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और राज्य सरकार की है ।शहीद किसानों को न्याय मिले इसके लिए मध्य प्रदेश किसान सभा मांग कर रहा है। मध्य प्रदेश किसान सभा के जिला अध्यक्ष प्रेम नारायण माहौर जिला महासचिव राजेश शर्मा ओमप्रकाश बाथम वीरेंद्र कुशवाहा राजेंद्र कुशवाहा विजय राम कुशवाहा नारायण शर्मा गंगा प्रसाद माहौर नारायण सिंह माहौर इत्यादि किसान नेता ज्ञापन सौंपते वक्त मौजूद थे।

माँ की मौत से दुखी बेटे ने भी दस दिन बाद फांसी लगाकर की आत्महत्या

- मृतक की पत्नी ने भी एक माह पहले की थी खुदकुशी

भोपाल। राजधानी के ऐशबाग थाना इलाके मे रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पत्नि ने भी एक माह पहले खुदकुशी की थी, ओर उसके कुछ दिन बाद युवक की माँ का भी देहांत हो गया था। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला है, जिससे पता चलता है की माँ की मौत के बाद से ही युवक डिप्रेशन मे रह रहा था। मगं कायम कर पुलिस आगे की छानबीन कर रही है। थाना पुलिस ने बताया की 32 वर्षीय दीपक यादव पिता स्वर्गीय राजा यादव एमपी नगर स्थित निजी बैंक में नौकरी करता था, ओर आचार्य नरेंद्र देव नगर में अपने छोटे भाई विकास के साथ रहता था, जो प्रभात चौराहा एक बाइक शो-रुम मे नौकरी करता है। बीते दिन दीपक बैंक नहीं गया था। जिसके चलते उसके पास मे ही रहने वाला मामा का लड़का कुलदीप उससे मिलने उसके घर गया। दरवाजा बंद होने पर कुलदीप ने काफी आवाज दी, लेकिन भीतर से कोई जवाब नही आने पर उसने मोबाइल पर कॉल किया लेकिन दीपक ने फोन भी रीसिव नहीं किया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर भीतर जाकर देखा तो उन्हे दीपक का शरीर फांसी के फंदे पर झूलता हुआ नजर आया। घटनास्थल की छानबीन के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में दीपक ने लिखा है, कि माँ मे आपके जाने से दुखी हुं। इस दुख को मैं सह नहीं पा रहा हुं।

आम सूचना

प्रताप सेना का दशहरा मिलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम आज सुबह 5 अक्टूबर बुधवार 2022 को प्रताप सेना का दशहरा मिलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम हनुमान नगर काली माता मंदिर पर सुबह10-30 बजे आयोजित किया जा रहा है सभी कार्यकर्ताओं से निवेदन है कि सभी पदाधिकारी समय पर उपस्थित रहकर कार्यक्रम को को सफल बनाएं

संपर्क सूत्र --8770056014

गोहद नगरपालिका उड़ा रही है स्वच्छता की धज्जियां

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद-नगर की सफाई की बात सीएमओ द्वारा सिर्फ कागजों तक सीमित है यहां तो नगरपालिका ही खुद उड़ा रही है स्वच्छता की धज्जियां नगर पालिका सीएमओ ऑफिस के पीछे ही गंदगी के ढेर पड़े हैं ऑफिस के पीछे ही खुला गड्ढा पड़ा है जिसमें कभी भी कोई घटना घटित हो सकती है और वही नगरपालिका के ऑफिस के बाहर गेटों पर पुड़िया थूक कर भी काफी गंदगी कर रखी है और अब शहर में भी कई वार्डों के बुरे हाल हैं जिसमें खुले में शौचालय जाते लोग और रोड पर ही लोग मुख्य रोड पर बैठकर खुले में शौच करते चले आ रहे हैं फिर भी नगर पालिका क्यों ध्यान नहीं देती है जब राहगीर बंधा से हॉस्पिटल के लिए रोड आता है तब सुबह शाम वहां से निकलना भी मुश्किल पड़ जाता है क्योंकि वह महिलाएं भी खुले में शौच करती हैं जिस पर कई बार खबर प्रकाशित कर भी लोगों को बताया गया फिर भी सीएमओ साफ सफाई की ओर

ध्यान नहीं देते है इसी तरह गोहद नगर में चारों ओर गंदगी फैली हुई है और आज भी शहर में कच्चे नाले बने हुए जिनका पानी का कोई विकास नहीं फिर भी उसी वजह से गंदगी इकट्ठी हो गई है और पानी भरा पड़ा है जिससे कच्चे नाले की वजह से मकानों में सीडन भी आ रही है अभी कुछ दिन पूर्व में भी कच्ची नाली की वजह से नत्थू श्रीवास की दीवार भी गिर गई वार्ड नंबर 11 के निवासी थे कई मकान भी गिरने की अवस्था में आ गए हैं आखिर इसका जिम्मेदार कौन होगा उसी नाले में कच्ची लैट्रिंग होने की वजह से गंदगी के जगह-जगह ढेर हो चुके हैं फिर भी सीएमओ को कोई फर्क नहीं पड़ता वहीं वार्ड 11 के लोगों का भी कहना है कि आवेदन भी देने पर भी सीएमओ ध्यान नहीं देते

वार्ड वासी

सलीम बख्श ने बताया कि हमारे मकान के पीछे इतनी गंदगी इकट्ठी हो चुकी है अगर पक्का नाला नहीं बना कर गंदगी नहीं निकाली गई तो बदबू और बीमारी का सामना करना पड़ रहा है जिसमें मच्छर भी पनप रहे हैं और हम लोग अपनी अपनी छतों पर भी नहीं बैठ पाते इतनी बदबू आती है

वार्ड वासी

मनोज गुप्ता ने बताया है कि मेरे घर के बगल में बने शौचालय में इतनी गंदगी रहती है कि हम लोगों के घरों में बदबू रहती है और सीएमओ को भी मैंने कई बार कहा है कि सर हमारे घर के बगल में बने शौचालय की सफाई भी रखी जाए जिसमें हमारे घर में बदबू ना आए लेकिन फिर भी उसकी कभी साफ सफाई नहीं होती

नवरात्रि के उपलक्ष में कराया गया भंडारा रोटरी क्लब

सोनू कुमार माथुर ब्यूरो चीफ
पुष्पांजली टुडे

एटा। नवरात्रि के पावन पर्व पर माता माई के असीम अनुकंपा से गांधी मार्केट एटा हार्डवेयर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, नव दुर्गा की पूजा अर्चना करने के उपरांत उन का भोग लगाकर भंडारे को प्रारंभ किया गया, प्रसाद वितरण करते हुऐ नीरज गुप्ता, साजन देव वार्ष्णेय, सत्री चौहान, सौरभ कुमार, गौरव गुप्ता, दीपक वार्ष्णेय,धर्मेन्द्र वार्ष्णेय, हर्ष, नदीम, फईम, विष्णु, राहुल, रति गुप्ता, सुशीला देवी, ज्योति गुप्ता, मीनाक्षी, परी आदि।

शौच करने गये वृद्ध की ट्रैन की चपेट मे आकर मौत

भोपाल। शहर के हबीबगंज थाना इलाके मे वृद्ध की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया गया है की मृतक शौच के लिये गया था। थाना पुलिस के अनुसार इलाके मे स्थित ईश्वर नगर झुग्गी बस्ती मे रहने वाले 55 वर्षीय मलखान अहिरवार पिता सुखलाल अहिरवार मजदूरी करते थे। यहां रहने वाले कई लोग शौच के लिये पास मे स्थित रेल्वे पटरी के आसपास जाते थे। बीते दिन आसपास के लोगो ने रेलवे लाइन के पास ट्रेक पर मलखान का शव पड़ा होने की सूचना दी। मौके पर पहुचीं पुलिस टीम ने शुरुआती कार्यवाही के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया। जाँच टीम ने बताया की मृतक घर से शौच करने का कहकर निकला था, जो ट्रैन को नहीं देख सका ओर उस चपेट मे आने से उसकी जान चली गई। पीएम के बाद शव परिवार वालो को सौंपने के बाद पुलिस ने आगे की जाँच शुरु कर दी है।

चार शातिर नकबजन धराएं पांच वारदातों का हुआ खुलासा

इंदौर। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शातिर नकबजन गैंग के चार आरोपियो को पकड़ा। ये चोरी की मोटर साइकिल से शहर में घूम रहे थे। क्राईम ब्रांच की टीम ने थाना तिलकनगर पुलिस के साथ कार्यवाही कर मुखबीर के बताये स्थान पर घेराबंदी कर जावेद , शौकत, मनीष , गोलू उर्फ शाहरुख को पकड़ा आरोपीयो से विस्तृत पूछताछ पर आरोपियों के द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई नकबजनी व वाहन चोरी की वारदातें करना कबूल किया। चारो आरोपियों से नकबजनी का सोना-चांदी के आभूषण व 3 दो पहिया वाहनों को जब्त कर आगे की कार्यवाही थाना तिलक नगर के द्वारा की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ में अन्य और भी चोरी की वारदात खुलने की सम्भावना है ।

वकील ने वकील के खिलाफ जान से मारने की धमकी कि शिकायत

भोपाल। राजधानी की एमपी नगर पुलिस ने एक वकील की शिकायत पर अन्य एडवोकेट के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का मामला कायम किया है। घटना करीब एक साल पहले की बताई गई है। पुलिस के अनुसार आनंद नगर मे रहने वाले 42 वर्षीय करण सिंह शाक्य ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की वो पेशे से वकील है, और जिला न्यायालय में प्रेक्टिस करते हैं। वो एक जमीनी विवाद को लेकर अपने क्लाइंट के लिए पैरवी कर रहे हैं। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से अधिवक्ता नासिर अली मुकदमा लड़ रहे हैं। फरियादी का आरोप है, कि 23 नवंबर 2021 को जब वह न्यायालय परिसर में थे, उसी दौरान वकील नासिर अली ने मोबाइल फोन पर उन्हें धमकी दी, साथ ही नासिर अली ने सोशल मीडिया पर भी उनके खिलाफ दुष्प्रचार करते हुए आपत्तिजनक झूठे मैसेज भेजे थे। पुलिस ने आगे की छानबीन मे जुटी है।

नल-जल योजना का हिसाब मांगने पर सरपंच पति ने महिला पंच को जाति से अपमानित कर की मारपीट

भोपाल। शहर के नजदीक ईंटखेडी थाना इलाके मे पंचायत की बैठक के दौरान नल-जल योजना का हिसाब मांगने की बात पर महिला सरपंच के जाति ने उसे जाति से अपमानित कर कर मारपीट कर दी। घटना रविवार की है, बाद मे पीड़ीता ने थाने पहुचीं जहाँ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दलित अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया। आगे की कार्यवाही के लिये इस मामले की केस डायरी अजाक थाने भेजी जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय शारदा शिल्पकार पति रामस्वरूप शिल्पकार ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया की वो ईंटखेड़ी इलाके मे स्थित ग्राम खामखेड़ा में रहती हैं।

ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग से निकाला जाएगा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के द्वारा दशहरा भव्य चल समारोह आज

चल समारोह में विभिन्न विभिन्न प्रकार की झांकियाँ रहेंगी आकर्षण का केंद्र राजा मिहर भोज के वंशज राजा अरुणोदय सिंह चल समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के सदस्यों के द्वारा ग्वालियर के ऐतिहासिक दुर्ग से दशहरा के पावन पर्व पर विशाल एवं भव्य चल समारोह निकाला जाएगा इसमें मुख्य रूप से राजा मिहिरभोज के वंशज राजा अरुणोदय सिंह जी पूरे चल समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे चल समारोह में विभिन्न विभिन्न प्रकार की झांकियां जिसमें देश को आजाद कराने वाले बलिदानीयो की झांकियां मुख्य रूप से आकर्षक का केंद्र रहेंगी समारोह में केंद्रीय मंत्री मध्य प्रदेश शासन के मंत्री एवं पार्षद गण एवं कई सामाजिक संगठन अपने संगठनों की टीम के साथ चल समारोह में उपस्थित होकर चल समारोह की शोभा बढ़ाएंगे अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के संभागीय अध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह चौहान राम अवतार बेस ग्वालियर जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर युवा जिला अध्यक्ष अभय तोमर महिला मोर्चा अध्यक्ष रेशु राजवत के द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि ग्वालियर में 5 अक्टूबर को दोपहर 2:00 बजे से ग्वालियर के दुर्ग से दशहरा चल समारोह शहर के विभिन्न विभिन्न मार्गों से होते हुए भव्य एवं विशाल चल समारोह निकाला जाएगा जो गोले के मंदिर स्थित इंद्रप्रस्थ गार्डन पर पहुंचकर 1100 शस्त्रों का पूजन कर समापन किया जाएगा चल समारोह का मार्गों पर स्वागत द्वार भी बनाए जाएंगे एवं कई सामाजिक संगठनों के द्वारा चल समारोह का स्वागत भी किया जाएगा चल समारोह में आवाहन करने बालों में सर्व श्री धीरेन्द्र सिंह चोहान संयोजक राम कुमार सिंह सिकरवार अशोक सिंह तोमर सत्येंद्र सिंह भदौरिया रविंद्र सिंह पवैया कुलदीप सिंह सिकरवार विक्रम तोमरशुखवीर तोमर इंद्र पाल सिंह तोमर फौजी हरिमोहन सिंह मनोज सोलंकी सुधीर राठौर बाबू सिंह राठौर श्याम सिंह तोमर राजेश सिंह तोमर एवं रविंद्र पवैया अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के द्वारा ग्वालियर जिले के सभी सामाजिक संगठनों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों से विशेष आग्रह किया है कि दशहरा चल समारोह में उपस्थित होकर इस भव्य कार्यक्रम को सफल बनाएं

भैंस गुम जाने की रिपोर्ट लिखवाने गए फरियादी की रिपोर्ट नही लिखी

फरियादी ने लगाए आरक्षक पर चप्पलों से मार पीट के आरोप

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर जिले के बैराड़ तहसील गोवर्धन थाना क्षेत्र से है जहां पर अपनी भैंसों के गुम हो जाने की रिपोर्ट लिखाने आए फरियादी लोकेन यादव को गोवर्धन थाना में पदस्थ आरक्षक प्रमोद पुरोहित ने चप्पलों से से पिटाई कर दी मिली जानकारी के अनुसार लोकेंद्र यादव अपने गाँव से पालतू पशुओं को लेकर आमवाली चौकी के सामने टपरिया बनाकर अपने मवेशियों को चरा रहा था और वही पर रोज की भाँति रहकर अपने मवेशियों को चरा रहा था लेकिन घटना दिनांक 27.09.2022 की है जब लोकेंद्र टपरिया के पास भैसों को चरा रहा था तब वह टपरिया में खाना खाने आया इतने में ही 6 नग जिसमें 4 जैसे जिसमें बिहाने वाली थी और 2 दूध देने वाली थी और एक पड़ा और 1 गाय चरते चरते गुम हो गयी जिनकी लोकेंद्र व उसके सहयोगियों ने काफी तलाश की लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। जब लोकेंद्र

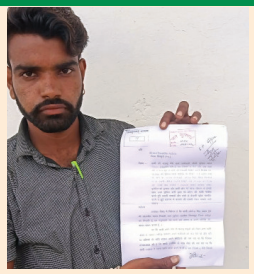

ने अपने सभी मवेशियो की पूरी तरह तलाश करने पर भी भैसे नहीं मिली तब लोकेंद्र और उसके चाचा सोवरन दिनांक 01.10.2022 को पुलिस थाना गोवर्धन पर रिपोर्ट दर्ज कराने गया तो थाने पर पदस्थ एएसआई जण्डेल सिंह को घटना बतायी लेकिन उन्होंने रिपोर्ट लेने से मना कर दिया और उसके बाद उन्होंने थाने के अंदर से 1 हवलदार प्रधान आरक्षक प्रमोद पुरोहित को बुलाया और लोकेंद्र और उसके चाचा सोवरन के साथ उक्त पुलिस कर्मी द्वारा माँ-बहिन की गाली गलौंच करते हुये उक्त प्रधान आरक्षक द्वारा अपने पैर में से चप्पले निकालकर मेरे में मारी व अंदर से डंडा उठाकर बेरहमी पूर्वक मारपीट की मेरे चाचा ने मुझे बचाया तो गाली गलोच कर धक्का मुक्की की और थाने में अंदर ले गये और जब मेरे चाचा ने कहा कि इसकी आगे कार्यवाही करेंगे तो उनमें भी 2 चाँटे मारी व लाते मारी और भगा दियां। जब लोकेंद्र और उसके चाचा ने यहाँ से अपने संबंधियों को फोन लगाकर बुला रहे थे इसके बाद पुनः थाने वालों ने बुलाया और हमारी शिकायत दर्ज की। इसके बाद भी हमने कहा कि आपने मेरी मारपीट क्यों कि तो पुनः गाली गलौच की और अभद्र व्यवहार किया और बोला अगर तुने या चाचा ने मारपीट की कहीं रिपोर्ट की , तो तुम सबको ऐसे केश में फसाऊगा कि पूरी जिंदगी जल में सड़ते, रहेंगे। मीडियो द्वारा गोवर्धन थाना प्रभारी से बात करने पर थाना प्रभारी ने बताया की हमारे द्वारा लोकेंद्र यादव द्वारा बताई गई घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारी पूरी. सात घाटों में 13 क्रेन से होगा विसर्जन, गोताखोरों की ड्यूटी भी लगाई

भोपाल। मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए राजधानी के जलाशयों में 13 बड़ी और छोटी क्रेन की मदद से दुर्गा मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। इस दौरान घाटों पर 16 गोताखोर तैनात रहेंगे। विसर्जन घाट से 50 मीटर दूर वाहनों को रोक दिया जाएगा। मूर्तियों का क्रेन से विसर्जन होगा और श्रद्धालुओं को पानी में उतरने की अनुमति नहीं होगी। दुर्गा विसर्जन को लेकर नगर निगम द्वारा घाटों की व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। अलग-अलग घाटों में नगर निगम के अधिकारियों को तैनात किया गया है। इनके साथ ही घाटों पर 200 से अधिक निगम कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। विसर्जन के दौरान हर घाट पर विभिन्न सुरक्षा संसाधनों का इंतजाम कर दिया गया है। निगम ने हर घाट पर लाइफ जैकेट, ट्यूब्स, रस्सी, कांटा, इमरजेंसी लाइट, फायर फाइटर और रेस्क्यू वाहन तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था गणपति विसर्जन के जैसे ही रहेगी उसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।वहीं घरों में स्थापित मां की प्रतिमाओं, ज्वारे और अन्य सामग्रियों को भी विसर्जित करने के लिए लोग तालाब के पास तक नहीं जा पाएंगे। वहीं चल समारोह और घाटों के आसपास किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने 1 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जाएगा। वहीं चल समारोह के दौरान व्यवस्था पूरी तरह से दुरुस्त रहे। इसके लिए नगर निगम के अधिकारी पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था को संभालेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से सुदृढ़ करने के लिए नगर निगम के अधिकारी पुलिस के सथ सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी 4 या इससे अधिक अधिकारी पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात किए जा सकते हैं।घाटों पर टेलीस्कॉपिंग और रिवॉल्विंग क्रेन की व्यवस्था की जाएगी, जिनकी सहायता से प्रतिमाओं विसर्जन किया जाएगा। हर घाट पर नोडल अधिकारी तैनात होंगे। अपर आयुक्त और उपायुक्त स्तर के अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी कंट्रोल रूम के साथ साझा करेंगे।

सुनती है सबकी पुकार-जगतजननी माँ रणकौशला देवी

मां रणकौशला देवी के मंदिर में लगा भव्य मेला

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-दबोह क्षेत्र के अमाहा के पास मां रणकौशला देवी का मंदिर स्थापित है।जहां पर नवरात्रि के अवसर पर हर वर्ष विशाल मेला लगता हैं।जिसमे उप्र,मध्यप्रदेश व अन्य राज्यो से भी श्रद्धालु मां के दर्शन करने आते है।जगत जननी परमात्मा माँ भगवती रणकौशला देवी(रेहकोला माँ)का मंदिर ग्यारवी शताब्दी पुराना है,माँ रणकौशला देवी की स्थापना आल्हा-ऊदल के भाई सिरसा नरेश मलखान ने करवाई थी।वह हिंगलाज दर्शन के लिए जाया करते थे।एक बार वीर मलखान ने आग्रह किया कि माँ यहाँ आने में बड़ी परेशानी व कठनाई होती है यदि आप की इच्छा हो तो आप का मंदिर में अपनी राजधानी में बनवा दूँगा,और आपकी वहीं पूजा-अर्चना करता रहूंगा,माँ ने वीर मलखान का आग्रह मान लिया और चलने के लिए तैयार हो गई माँ ने कहा वीर में चलूँगी एक ही आसन से अगर तुमने मुझे रास्ते में कहीं बिठा दिया तो मैं उसे ही अपना निवास स्थान

बना लुंगी और हमेशा के लिए वहीं विराजमान हो जाऊंगी। इसी बात को मानकर वीर मलखान ने माँ रणकौशला को अपने शीश पर स्थान दिया और ले कर चल दिए।

चलते चलते वीर मलखान को विश्राम करने का मन हुआ क्यू कि जहाँ मलखान का मन विश्राम करने के लिए हुआ यह स्थान माँ को भी अच्छा लगा और वह स्थान अमाहा व् दबोह के मध्य स्थित था।यह बड़ा ही रमणीक एवम् सुंदर स्थल है यही पर मलखान ने माँ को शीश से नीचे उतार कर एक पीपल के पेड़ के नीचे बिठाया और जल-पान करने के लगे मगर जब वीर मलखान ने जल-पान करने के बाद माँ को उठाने लगे तब माँ ने अपना वजन इतना बढ़ा दिया कि मलखान के बहुत प्रयास कोशिस करने के बाद में माँ को उस स्थान से हिला-डुला न सके तब वह महान शोकातुर होकर रोने लगे,और कहने लगे माँ मुझसे ऐसी कौन सी गलती हो गई है...? तब माँ ने कहा-कि मैंने तुझे पहले ही बता दिया था कि तू मुझे जहाँ बिठा

देगा मैं वहीं हमेशा के लिए विराजमान हो जाउंगी तब वीर मलखान ने कहा-माँ यहाँ से तो मेरी राजधानी बहुत दूर है मुझे आने में अभी भी परेशानी होगी...।

तब माँ ने कहा-माँ ने वीर मलखान से कहा अब जो भी हो मगर अब तो मैं यहीं रहूँगी और इसी स्थान को अपना निवास स्थान बनाऊँगी..।

तब वीर मलखान सिंह उसी रात्रि ने उसी रात पत्थरो की शिलाओं से माँ का मंदिर बनवा दिया और सामने एक बाबड़ी का निर्माण कराया और उसी बाबड़ी से एक सुरंग का निर्माण कराया।उसी दिन से आज तक वह अपनी पत्नी गजमोतिन के साथ उसी सुरंग से सूक्ष्म शरीर आज भी माँ रणकौशला देवी के दर्शन करने के लिए आते हैं।जब भी भक्तगण ब्रहम मुहूर्त में माँ की पूजा-अर्चना करने जाते हैं तो वहां पर पूर्व से ही पुष्प/जल/व पूजा की सामग्री चढ़ी हुई मिलती है कई बार मंदिर के पुजारियो द्वारा इस रहस्य को जानने की कोशिस की तो रात्रि 12 बजे के बाद एक घोड़े पर सवार होकर वीर मलखान अपनी आराध्य माँ रणकौशला देवी की पूजा करने आज भी आते हैं ऐसा पुजारियो का कहना है।नवरात्री की पंचमी और सप्तमी की रात्रि को लोग अपने घर या पूज्य देवी देवताओ के मंदिर से पेंड भरकर(लेट-लेट कर)जाते हैं वह निश्चित ही अपनी मनोकामनाये पूर्ण करते हैं बताया जाता है कि हजारो की संख्या में लोग भरते हैं पेंढ व माँ के मंदिर में कई जगह उ.प्र व् अन्य जगह के भक्तगढ़ भी नवरात्रि की पंचमी और सप्तमी को पेंड भरकर माँ के दर्शन के लिए आते हैं।माँ का पहला नाम पहला नाम रणकौशला देवी था धीरे-धीरे अवन्स होते होते माँ रणकौशला देवी से माँ रेहकोला देवी हो गया,माँ के नाम से स्पष्ट है रणकौशला का अर्थ होता है-रण में कौशल अथवा विजय का आशीर्वाद देने वाली जग जननी माँ-यहाँ कि एक पुरातन कथा और भी मिलती है कि एक माँ सूक्ष्म शरीर से सतयुग से ही इस भूमि पर निवास करती हैं। क्यू कि भगवान कृष्ण छपार युग अर्जुन को महाभारत प्रवचन से पहले माँ रणकौशला का देवी का आशीर्वाद दिलाने आये थे।यह रणकौशला देवी का मन्दिर अपने आप में बड़ा ही सुंदर व मनोरम है इसके पूर्व में प्राचीन बाबड़ी,पश्चिम,उत्तर में सुंदर आम,अमरुद,महुआ,बेला आदि के सुंदर बाग् हैं व् दक्षिण में अतिसुन्दर बड़ा तालाब है,वैसे तो हमेशा ही माँ के मंदिर में भक्तो का ताँता(आना-जाना)लगा रहता है लेकिन कुंवार व् चैत्र के नवरात्रो में माँ का बड़ा ही भारी मेला लगता है और हजारो की तादात में भक्तगण माँ के दर्शन के लिए दूर दूर से आते हैं।

शारदीय नवरात्रा महोत्सव की रही धूम, दशहरा आज

भजन संध्या व गरबा नृत्य की प्रस्तुति ने मंत्रमुंग्ध किया

ग्वालियर। राष्ट्रीय और धार्मिक आयोजनों के लिए विशिष्ट पहचान रखनेवाली सिरोल रोड स्थित ऐलिक्जर एमकेसिटी में धूमधाम से मनाये गये 9 दिवसीय शारदीय नवदुर्गा महोत्सव आज महाप्रसादी के साथ संपन्न हुआ. असत्य पर सत्य की विजय का महा पर्व दशहरा आज मनायेगा जाएगा।

शारदीय नवदुर्गा महोत्सव के अंतर्गत सोनिया अग्रवाल के संयोजकत्व में भजन संध्या, नीकेश शर्मा के निर्देशन में परंपरागत परिधान फैशन शो व अंताक्षरी, रिचा मिश्रा के सयोजकत्व में मल्टी टैलेंट शो, महेश शर्मा के निर्देशन में माता की चौकी तथा सुषमा-अजय गुप्ता के सयोजकत्व में रहवासी महिलाओं ने गरबा नृत्य की उल्लासमय प्रस्तुति दी. आलोक सिंघी, सुधीर सिसोदिया के सयुंक्त नेतृत्व में फनफेयर- तम्बूआ, अनुशील जौहरी के निर्देशन में बालीवुड म्यूजिकल इवनिंग तथा संदीप मेहरा ने भंडारा प्रसादी प्रबंधन में महती भूमिका निभाई।

जहाँ एक ओर भजन संध्या में शारदा नाद मंदिर संगीत महाविद्यालय की संस्थापिका व आरकेव्हीएम की पूर्व प्राचार्या कृष्णा राय चौधरी, केआरजी कालेज के संगीत प्राध्यापक अनूप मोघे, शारदा नाद मंदिर संगीत महाविद्यालय की उप प्राचार्या वैशाली मोघे तथा संगीत शिक्षिका व निर्देशिका सोनिया अग्रवाल के द्वारा दी गयी दुर्गा माँ से संबधित भक्तिमय प्रस्तुति ने मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं दूसरी ओर प्रो. सीएस मालवीय एव प्रदीप शर्मा के नागिन डांस की कैमिस्ट्री ने रहवासियों को खूब हँसाया.एमके सिटी की संगीत शिक्षिका सोनिया अग्रवाल के 6 वर्षीय शिष्य गर्वित खरे की राग भोपाली में दी गयी प्रस्तुति का करतल ध्वनि से उत्साहवर्धन किया गया. आयोजन समिति के सयोंजक नीरज अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है।

कन्या भोज में नूडल्स पास्ता और चॉकलेट

चैत्र नवरात्रि के पर्व पर कन्या भोज कराने की परंपरा हजारों परिवारों में है। नवरात्रि पर्व के पंडालों में भी बड़े पैमाने पर कन्या भोज कराया जाता है। इस बार के कन्या भोज में खीर पुरी एवं अन्य सामग्री के स्थान पर कई स्थानों पर, कन्या भोज में नूडल्स, पास्ता, चिप्स और चॉकलेट दिए गए हैं.कन्या भोज के लिए कन्या बुलाने के बाद भी नहीं आती हैं.जिसके कारण नवरात्रि पर्व पर कन्या भोज मैं कन्याओं को नूडल्स, पास्ता,चिप्स, फल, चॉकलेट और लिफाफे में नोट रख कर दिए गए हैं। अष्टमी नवमी के दिन जो लोग कन्या भोज कराते हैं। वह कन्याओं को आमंत्रित करने गए, किंतु खाना खाने के लिए बहुत कम बच्चियां आई। जिसके कारण यह परिवर्तन पहली बार नवरात्रि पर्व के कन्या भोज में देखने को मिला है।

आज रहेगी दशहरा की धूम

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का भव्य दशहरा मिलन समारोह आज

केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री प्रद्यु मन सिंह तोमर, मंत्री ओपीएस भदौरिया, म.प्र. विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह होंगे शामिल, महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष के.पी. सिंह भदौरिया होंगे शामिल

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा 5 अक्टूबर 2022 बुधवार, शाम 4 बजे एक भव्य दशहरा मिलन, शमी पूजन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन महाराणा प्रताप पार्क कुंज बिहार कॉलोनी, शताब्दी पुरम फेज-2 में किया जा रहा है। जिसको लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें प्रेस को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री राजेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा

अध्यक्ष के रूप में मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. श्री गोविंद सिंह पधारेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री प्रद्यु मन सिंह तोमर, ओ.पी.एस. भदौरिया, ग्वालियर नगर निगम की महापौर श्रीमती शोभा सिकरवार, ग्वालियर पूर्व विधायक डॉ. सतीश सिकरवार तथा सहकारी बैंक भिण्ड के पूर्व अध्यक्ष के.पी. सिंह भदौरिया पधारेंगे। कार्यक्रम में ग्वालियर के अलावा अंचल से भी हजारों की सं या में क्षत्रिय बंधुओं पधारेंगे। क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री इं. राजेन्द्र सिंह भदौरिया ने प्रेस के माध्यम से ग्वालियर नगर तथा पूरे अंचल के क्षत्रिय बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक सं या में स मिलित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने में सहयोग करें।

इनका होगा सम्मान

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की जिला एवं संभागीय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस समारोह में आजीवन क्षत्रिय समाज के कल्याण हेतु कार्य करने वाले वृद्धजनों का स मान भी समारोह स्थल पर किया जाएगा। जिनमें प्रमुख रूप से से.निव. अपर लोक अभियोजनक जय सिंह भदौरिया , से.नि. कैप्टन भारत सिंह भदौरिया , कृषि क्षेत्र के जाने माने बृजपाल सिंह तोमर तथा अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी हर्षवर्धन तोमर शामिल रहेंगे।इस पत्रकार वार्ता में बृजपाल सिंह तोमर, अंतर सिंह तोमर, रघुराज सिंह तोमर, विष्णु प्रताप सिंह भदौरिया, धर्मेन्द्र सिंह तोमर, ललित सिंह तोमर, मोहर सिंह जादौन, विश्वनाथ सिंह सिकरवार, रामकुमार चौहान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हैप्पी दशहरा

ग्वालियर। 2 साल कोरोना काल में बिताने के बाद इस बार शहर में दशहरा धूमधाम से मनाया जाएगा। शहर में कई जगह रावण का दहन होगा।छत्री मंडी,ठाठीपुर में 65 फीट का रावण देखने को मिलेगा। कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले 60-60 फीट के होंगे।

माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम 15 फुट रावण के पुतले का दहन

ग्वालियर। माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम के चेयरमैन नूतन श्रीवास्तव ने बताया विजयदशमी के अवसर पर माधव बल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम लक्ष्मीगंज में आश्रम परिसर में वृद्ध माता-पिता ओं के बीच होगा 15 फुट रावण के पुतले का दहन शाम को 7: 00 बजे 15 फुट के रावण के पुतले का दहन किया जाएगा।

हिन्दू महासभा का दशहरा पूजन एवं भोयटे को श्रद्धांजलि आज

ग्वालियर ।अखिल भारत हिन्दू महासभा ग्वालियर के जिला कार्यालय से जारी विज्ञप्ति मैं बताया है कि दिनांक 5 अक्टूबर को दोपहर ठीक 12 बजे हिन्दू महासभा भवन दौलतगंज लश्कर पर शास्त्र एवं शस्त्रो का पूजन किया जाएगा। पूजन के बाद हिन्दू महासभा के नेता एवं प्रखर समाजसेवी रामचन्द्र राव भोयटे की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। युवक हिंदू महासभा के जिला संयोजक पवन माहौर, जिला सह संयोजक आनंद माहौर, राहुल गुप्ता, ग्रामीण जिला संयोजक बंटी गुर्जर, संजय शर्मा, लक्ष्मण बघेल, संभागीय महिला प्रवक्ता श्रीमती अर्चना सिंह चौहान, सुधा पाल, सोशल मीडिया प्रभारी निहाल सिंह सिरोजिया, जिला प्रवक्ता नरेश बाथम, कोषाध्यक्ष योगेश मंडेलिया ने सभी से समयानुसार ठीक समय पर दस मिनट पूर्व उपस्थित होने की अपील की है।

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत विभिन्न वार्डों में मेगा कैम्प आज

ग्वालियर। राज्य एवं केन्द्र सरकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितम्बर से 31 अक्टूबर 2022 तक प्रदेशव्यापी मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शहर विभिन्न क्षेत्रों में मेगा कैम्प का आयोजन वार्डवार किया जा रहा है। इन कैम्प में अभियान के तहत चिन्हित योजनाओं के हितग्राहियों के आवेदन के साथ-साथ आम जनों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में भी सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के तहत 4 अक्टूबर 2022 को वार्ड 25 के लिए क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 8 सीपी कॉलोनी जलप्रदाय सैक्शन जापना हाउस, वार्ड क्रमांक 20 के लिए क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 9 इन्द्रा पार्क एवं वार्ड 34, 37 एवं 41 क्षेत्रीय कार्यालय 16 पर मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत मेगा कैंप का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले इस अभियान में हर पात्र हितग्राही को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाना है। इसके लिये घर-घर सर्वेक्षण का कार्य भी किया जा रहा है। इस अभियान के तहत केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जिन योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जायेगा, उनमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, पीएम स्वनिधि, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय निरूशक्त पेंशन, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड (कॉमर्शियल बैंक के माध्यम से) प्रदाय किए जा रहे हैं।

कारोबारी से 1.62 करोड़ का फ्रॉड

ग्वालियर में मणप्पुरम फाइनेंस के मैनेजर समेत 3 लोगों ने रखवाया सवा 3 किलो सोना, धोखाधड़ी कर निकाला

ग्वालियर। ग्वालियर में मण्णपुरम गोल्ड लोन फाइनेंस के मैनेजर समेत तीन लोगों ने कारोबारी को 1.62 करोड़ की चपत लगा दी। आरोपियों में कारोबारी के दोस्त की बेटी और दामाद भी हैं। आरोपियों ने कारोबारी को गोल्ड की सेफ्टी और ब्याज का लालच देकर सवा तीन किलो सोना कंपनी में रखवा दिया। बाद में धोखाधड़ी कर आधा सोना निकाल लिया, बाकी पर 80 लाख का लोन ले लिया। जरूरत पड़ने पर जब गहने लेने कारोबारी कंपनी गए, तब मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी दंपती और फाइनेंस कंपनी के मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

हरिशंकरपुरम के रहने वाले महेश पुत्र हरीश चंद्र जैन ज्वेलर हैं। वह रियल इस्टेट और शेयर मार्केट का काम भी करते हैं। पिछले 20 साल से शिंदे की छावनी के रहने वाले चन्द्रमोहन शर्मा से उनकी दोस्ती है। चन्द्रमोहन की बेटी रश्मि शर्मा और दामाद विक्रम चौधरी का भी उनके यहां आना-जाना था। इस बीच विक्रम चौधरी और

महेशन जैन के बीच पैसों का लेन-देन चलता रहता था। इससे दोनों के बीच विश्वास कायम हो गया था। दोनों के बीच परिवारिक संबंध हो गए थे। रश्मि और विक्रम ने खुद को मण्णपुरम गोल्ड लोन फाइनेंस कंपनी में एजेंट बताया।

गोल्ड लोन की स्कीम का दिया झांसा

सितंबर 2018 में रश्मि शर्मा और विक्रम महेश के घर आए। बताया- मणप्पुरम गोल्ड बैंक में वह एजेंट वहां एक नई स्कीम लॉन्च हुई है, जिसमें अगर बैंक से जुड़े कर्मचारी या उनके परिचित अपना सोना बैंक में रखते हैं, तो इसके बदले में डेढ़ प्रतिशत ब्याज मिलता है। इस पर रश्मि ने कारोबारी महेश जैन को बताया कि यदि रश्मि के नाम से वह अपना कुछ सोना गोल्ड बैंक में रखते हैं, तो इसके बदले में वह एक प्रतिशत उनको और आधा प्रतिशत खुद रख लेगी। वैसे भी घर पर तिजोरी में रखे सोना का क्या होगा?

सुरक्षा का दिया हवाला तो रख दिया सोना

कारोबारी महेश जैन ने बताया कि उसे 1त्न में ज्यादा इंट्रेस्ट नहीं था, तो विक्रम व रश्मि ने बताया कि इसमें उनका कोई नुकसान नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और फायदा है, क्योंकि बैंक में रखा उनका सोना सुरक्षित रहेगा। जब भी जरूरत होगी, रसीद लेकर जाने पर उनका सोना वापस मिल जाएगा। इसके बाद रश्मि व विक्रम ने उन्हें मणप्पुरम गोल्ड लोन के जयेन्द्रगंज ब्रांच मैनेजर पवन परिहार से मिलवाया।

परमात्मा के नाम और गुण स्मरण से जीवन में मंगलः मुनिश्री

मुनिश्री ने भगवान जिनेंद्र का कराय अभिषेक, मंत्रो से कराई बृहद शांतिधारा

ग्वालियर। परमात्मा के नाम एवं गुण स्मरण की महिमा अपरंपार है। भाव पूर्वक परमात्मा के स्मरण से जीवन में सर्व प्रकार के मंगल का आगमन होता है। हर मनुष्य को प्रतिदिन परमात्मा की भक्ति, स्तुति, स्मरण करना चाहिए। परमात्मा भक्ति परमात्मा से हमारी आत्मा को जोड़ने का बहुत ही सरल एवं सुंदर माध्यम है। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय बर्षयोग समिति एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आज मंगलवार को माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि हमें परमात्मा के गुणों का स्मरण करके आत्मिक गुणों का विकास, नैतिक मूल्यों का विकास करना है। आध्यात्मिक उन्नति के लिए अपने आत्मा पर लगे हुए विषय कषाय को मिटाना चाहिए। हमे प्रतिदिन धर्म आराधना करते हुए आत्मा का शुद्धिकरण करते रहना चाहिए। धर्म की साधना और परमात्मा भक्ति करने से हमारे जीवन के सभी दुःख संकट मिट जाते है।

भक्तामर स्तोत्र पाठ में जैन समाज दीपको को कर रहे है

समर्पित

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में आचार्य मानतुंग का लिखा भक्तामर स्तोत्र पाठ जैन समाज के लोग भक्तिमय आकर्षक माढना पर दीपो को समर्पित कर रहे है। भक्तिमय स्वरो के साथ साथ जैन समाज लोगो सामूहिक रूप से भक्तामर माढने पर पंडित डॉ ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद जी भक्तामर के 48 महाकाव्यों दोहे के साथ 48 दीपको के साथ ऋद्धि सिद्धी मंत्रो उच्चारणो के साथ एक एक दीपकों को प्रज्वलित कर सज्जाये हुए मढ़ने पर भक्तिभाव के साथ समर्पित कर रहे है। भक्तामर पाठ के उपरांत समाज के लोगो ने संगीतमय भजनों की भक्ति नृत्य करते हुए भगवान आदिनाथ की भव्य दीपकों से महाआरती उतारी।

संक्षिप्त समाचार

तांत्रिकों के जाल में फंसी युवती, लूटी आबरू

हमेशा के लिए बीमारी ठीक करने ले गए थे, कार में शराब पिलाकर किया गैंगरेप

ग्वालियर। ग्वालियर में झाड़फूंक का झांसा देकर दो तांत्रिक एक महिला को अपने साथ ले गए और उसे जबरन शराब पिलाकर उसके साथ चलती कार में गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। वारदात थाटीपुर थाना क्षेत्र के चक्की वाली गली न्यू मेहरा कॉलोनी की है। वारदात के बाद आरोपी उसे शीतला माता मंदिर पर बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। होश में आने पर पीड़िता ने पुलिस और परिजन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। महिला बीमारी का इलाज कराने के लिए तांत्रिकों के जाल में फंस गई।

यह है पूरा मामला : ग्वालियर के थाटीपुर थाना क्षेत्र के मेहरा कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय रागिनी (बदला हुआ नाम) कुछ समय से बीमार चल रही है। डॉक्टरों को भी दिखाया, लेकिन दवा असर नहीं कर रही थी। जिस पर उसके परिजन उसे खुरैरी गांव में झाड़फूंक करने वाले तांत्रिक राहुल जाटव के पास ले गए थे। राहुल और उसका साथी तांत्रिक कालू जाटव उसकी झाड़फूंक कर देते तो वह ठीक हो जाती थी। दो दिन पहले फिर रागिनी की हालात खराब हुई थी। जिस पर तांत्रिक बाबा राहुल उसके घर आकर ही उसकी झाड़फूंक की थी। उसी समय उसने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया था। सोमवार शाम को राहुल ने रागिनी को बताया कि उसकी बीमारी पूरी तरह ठीक करने के लिए उसे शीतला माता पर परिक्रमा देने चलना है और वह चक्की वाली गली में उसका इंतजार कर रहे हैं। इस पर वह चक्की वाली गली पहुंची और यहां पर राहुल और कालू कार लेकर खड़े हुए थे। उसे कार में बैठाते ही वह निकल गए।

कार में जबरन पिलाई शराब : कार में काफी देर चलने के बाद भी जब मंदिर नहीं आया तो युवती ने मंदिर के बारे में पूछा।इस पर राहुल पीछे की सीट पर पहुंचा और जबरन उसे शराब पिला दी। इसके बाद राहुल ने चलती कार में उसके साथ रेप किया फिर कालू ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान वह रहम की भीख मांगती रही, लेकिन वह नहीं पसीजे। घटना के बाद रागिनी बेहोश हो गई और उसे बेहोशी की हालत में कालू व राहुल शीतला माता मंदिर पर छोड़कर भाग गए और उसका मोबाइल भी ले गए। होश आने पर अन्य श्रद्धालुओं से फोन लेकर पीड़िता ने परिजन तथा पुलिस को कॉल किया। मामले का पता चलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।एडिशनल एसपी राजेश दंडौतिया ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर गैंगरेप का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी अभी फरार हैं और पुलिस टीम उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

पेंशनर्स खफा, 7 को प्रदर्शन कर ज्ञापन देंगे

ग्वालियर। वर्तमान में विद्युत कंपनियों के द्वारा माह सितंबर की पेंशन समय से नहीं दिए जाने एवं राज्य शासन के अनुरूप 6त्न महंगाई राहत बढ़ाने एवं वेज रिवीजन के एरियर व अन्य मांगों को लेकर विद्युत कंपनियों के द्वारा जानबूझकर बढ़ती जा रही उदासीनता के विरोध में चलाए जा रहे प्रांत व्यापी आंदोलन के तहत मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन ग्वालियर के द्वारा 7 अक्टूबर प्रातः 10ः00 फूल बाग गेट ग्वालियर पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री/ ऊर्जा मंत्री के नाम से ज्ञापन दिया जावेगा ।जिसमें राज्य शासन के अनुरूप 6त्न डीए देने, समय से पेंशन देने,केंद्र के समान 38त्न दिए जाने एवं अन्य मांगों को इस ज्ञापन में समाहित किया जाएगा। समस्त विद्युत पेंशनर्स व अन्य पेंशनर से साथियों से अनुरोध है कि वे इस अवसर पर एकत्रित होकर प्रदर्शन को सफल बनावे एवं अपनी एकता का परिचय दें सभी इंजीनियर साथियों ,सभी व्हाट्सएप वीर साथियों समस्त महिला पेंशनर व घर पर ही बैठकर समस्याओं का समाधान जाने वाली सभी साथियों से भी अनुरोध है वह भी विद्युत पेंशनर्स के आंदोलन में सहभागी बने।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में स्थित बदनापुर स्टेडियम के पास सड़क किनारे खड़ी महिला को एक बाइक ने टक्कर मार दी घटना में महिला की मौत हो गई ।पुलिस ने आरोपी बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार नायक पुरा निवासी दिलीप यादव 25 साल अपने चचेरे भाई बलवीर कौर पत्नी के साथ बरई आया था जब वह बरई से अलग-अलग बाइक पर जा रहे थे ।तभी बदनापुर स्टेडियम के पास बलबीर ने बाइक रोकी और लघु शंका करने लगा। उसकी पत्नी कर लो सड़क किनारे खड़ी थी। तभी दूसरी दिशा से आ रहे यह बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई ।घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सौतेले पिता ने किया 12 साल की बेटी से दुष्कर्म

ग्वालियर ।शहर के कंपू थाना क्षेत्र में स्थित मरघट पहाड़ी के पास रहने वाली 12 साल की एक बालिका के साथ उसके सौतेले पिता ने दुष्कर्म कर डाला। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार कंपू थाना क्षेत्र के मरघट पहाड़ी के पास रहने वाली 12 साल की एक बच्ची की मां ने 5 साल पहले एक दूसरे व्यक्ति से शादी कर ली थी ।1 अक्टूबर को बच्ची की मां जब काम पर गई तभी उसके सौतेले पिता ने 12 साल की बेटी को अपनी हवस का शिकार बना डाला। बीते रोज सौतेले पिता ने फिर बालिका के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद बच्ची ने मां को पिता की करतूत बताई ।बाद में मां-बेटी थाने पहुंचे और आरोपी पिता के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी पंजीयन की शिकायत की जाँच के लिये दल गठित

ग्वालियर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा श्री अनिल शर्मा एवं अरूण शर्मा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बंधौली एवं बड़ागाँव के विरूद्ध फर्जी पंजीयन के संबंध में शिकायत की जाँच करने के निर्देश के परिपालन में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जाँच दल गठित किया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने प्राथमिक कृषि साख समिति बंधौली एवं बड़ागाँव में फर्जी पंजीयन के संबंध में जाँच हेतु एक दल गठित किया गया है, जिसमें डिप्टी कलेक्टर श्री मोहम्मद यूसुफ कुरेशी, उपायुक्त सहकारिता ग्वालियर, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ग्वालियर तथा जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम ग्वालियर को रखा है। जाँच दल को 15 दिवस के अंदर जाँच कर अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478